सोमवार सड़कों पर ट्रेड यूनियनों के प्रदर्शन के चलते लगे जाम में फंसे और जरूरी काम से बैंक पहुँचे,तब वहां बैंकों की हड़ताल देखकर निराश होना पड़ा। तब महंगाई, हड़ताल और बढ़ती गर्मी के सितम ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 104 दिनांक: 29-03-2022 मंगलवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

इंडियन प्रीमियर लीग के चौथे मुकाबले में गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच मुंबई के वानखेडे में मुकाबला हुआ। लखनऊ ने 6 विकेट पर 156 रन बनाए। गुजरात ने 5 विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल किया।

बैंक बंद, पेट्रोल-डीजल दामों में फिर वृद्धि, विरोध में ट्रेड यूनियन सड़कों पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। सप्ताह के पहले दिन सोमवार को लोग जब अपने घरों से बाहर निकले तब पेट्रोल पंप पर तेल के बढ़े दाम देखकर दिमाग खराब हुआ, उसके बाद सड़कों पर ट्रेड यूनियनों के प्रदर्शन के चलते लगे जाम में फंसे और जरूरी काम से बैंक पहुँचे,तब वहां बैंकों की हड़ताल देखकर निराश होना पड़ा। तब महंगाई, हड़ताल और बढ़ती गर्मी के सितम ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। बता दें कि सरकार की कथित जन-विरोधी आर्थिक नीतियों और श्रमिक विरोधी नीतियों के विरोध में केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच और विभिन्न क्षेत्रों की स्वतंत्र श्रमिक यूनियनों ने दो दिन की हड़ताल का आह्वान किया है। इनकी प्रमुख मांगों में श्रम संहिता को समाप्त करना, किसी भी प्रकार के निजीकरण को रोकना, राष्ट्रीय मौद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी) को समाप्त करना, मनरेगा के तहत मजदूरी के लिए आवंटन बढ़ाना और ठेका श्रमिकों को नियमित करना शामिल है। 28 और 29 मार्च की राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल का बैंक कर्मचारियों की यूनियन ऑल इंडिया बैंक एम्पलाइज एसोसिएशन ने समर्थन किया है।

इस बीच, देशभर से तस्वीरें सामने आ रही हैं, उसमें दिख रहा है कि ट्रेड यूनियनों के नेता धरना प्रदर्शन कर रहे हैं और बैंकों के दरवाजों पर ताले लटके हुए हैं। बता दें कि इस हड़ताल का ज्यादातर लोगों को पता नहीं था, इसकारण सोमवार को कामकाजी दिन होने के चलते जब लोग बैंक पहुँच रहे हैं, तब उन्हें निराशा हाथ लग रही है। हालांकि सरकारी बैंकों की ऑनलाइन सेवाएं काम कर रही हैं और निजी क्षेत्र के बैंक पूरी तरह खुले हुए हैं। ट्रेड यूनियनों की हड़ताल में बैंकों के भी शामिल होने के मुद्दे पर ऑल इंडिया बैंक एम्पलाइज एसोसिएशन के महासचिव सीएच वेंकटचलम ने कहा है कि बैंक यूनियन की मांग है कि सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का निजीकरण बंद करे और उन्हें मजबूत करे। उन्होंने कहा कि इसके अलावा हमारी मांग है कि डूबे कर्ज की वसूली को तेज किया जाए, बैंक जमा पर ब्याज बढ़ावा जाए, सेवा शुल्कों में कमी की जाए और पुरानी पेंशन योजना को बहाल किया जाए।

इस बीच, सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), पीएनबी और केनरा बैंक ने कहा है कि हड़ताल की वजह से उसकी सेवाओं पर कुछ हद तक सीमित असर पड़ सकता है। एसबीआई ने कहा कि उसने अपनी सभी शाखाओं और कार्यालयों में सामान्य कामकाज सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक प्रबंध किए हैं।

दुश्मन हो जाए सावधान.....स्नाइपर राइफलें से लैंस हुई भारतीय सेना

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के दुश्मन से मुकाबला करने के लिए जम्मू-कश्मीर के नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर तैनात भारतीय सेना पहले से कहीं और ज्यादा मजबूत हो गई है। एलओसी में तैनात सैनिकों को फिनलैंड से आई नवीनतम स्नाइपर राइफलें दी गईं हैं। सेना के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नवीनतम स्नाइपर राइफल्स को सेना में शामिल किया गया है। वे अब इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। ये साको.338 टीआरजी-42 स्नाइपर राइफलें हैं।

सेना के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि साको .338 टीआरजी-42 स्नाइपर राइफल्स की बेहतर रेंज मारक क्षमता और टेलीस्कोपिक हैं। उन्होंने कहा कि नियंत्रण रेखा पर स्नाइपर्स को नई राइफलों पर प्रशिक्षित किया जा रहा है। अधिकारी ने कहा कि यह कदम नियंत्रण रेखा पर परिचालन की गतिशीलता में बदलाव के बीच स्नाइपर्स को और अधिक घातक बनाने के लिए है। साथ ही कहा कि जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा और अंतर्राष्ट्रीय सीमा (आईबी) के साथ आगे के इलाकों में गश्त कर रहे सैनिकों के लिए स्निपिंग एक बड़ी चुनौती रही है।

बात दें कि 2018 और 2019 के बीच एलओसी और अंतर्राष्ट्रीय सीमा के साथ तनाव बढ़ने के साथ ही घटनाओं की संख्या में अचानक वृद्धि हुई है। जिससे सशस्त्र बलों को बेहतर स्नाइपर राइफलों को शामिल करने और इस तरह के हमलों के खिलाफ अपने स्नाइपर्स को प्रशिक्षित करने के लिए प्रेरित किया गया है।

साको टीआरजी-42 स्नाइपर राइफल एक बोल्ट-एक्शन स्नाइपर राइफल है, जिसे फिनिश बंदूक निर्माता साको द्वारा डिजाइन और विकसित किया है। राइफल को शक्तिशाली .338 लापुआ मैग्नम आकार के कारतूसों को फायर करने के लिए डिजाइन किया गया है। अधिकारी ने कहा कि बिना गोला-बारूद के 6.55 किलोग्राम वजनी स्नाइपर राइफल की प्रभावी रेंज 1,500 मीटर है। यह राइफल दुनियाभर में सबसे सटीक और भरोसेमंद हथियारों में से एक माना जाती है।

बीरभूम पर बंगाल विस में टीएमसी-बीजेपी विधायकों में हाथापाई

-विधायक असित मजूमदार को लगी चोट, मनोज तिग्गा के फाड़े गए कपड़े

-स्पीकर ने सुवेंदु अधिकारी समेत पांच विधायकों को सस्पेंड किया

कोलकाता(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद जगह-जगह हो रही हिंसा को लेकर ममता बनर्जी सरकार निशाने पर है। अब भाजपा और तृणमूल कांग्रेस का झगड़ा विधानसभा तक पहुंच गया है। सोमवार को बंगाल विधानसभा के अंदर बीजेपी और टीएमसी विधायकों के बीच जमकर हाथापाई और मारपीट हुई। इस मारपीट में बीजेपी विधायक असित मजूमदार घायल हो गए और मनोज तिग्गा के कपड़े फाड़े गए। असित मजूमदार को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इधर इस घटना के लेकर बीजेपी, टीएमसी की ममता सरकार पर हमलावर हो गई है। उधर विधानसभा स्पीकर ने सुवेंदु अधिकारी समेत पांच विधायकों को सस्पेंड कर दिया है। सोमवार को पश्चिम बंगाल में विधानसभा सत्र बुलाया गया। विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही बीजेपी विधायकों ने टीएमसी सरकार पर आरोप लगाए। राज्य में हिंसा और कानून व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किए। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने सत्र की शुरुआत में बोलना शुरू किया।

कहा जा रहा है कि विपक्ष के नेता के बोलने के दौरान टीएमसी ने हंगामा शुरू कर दिया। उधर बीजेपी के विधायकों ने भी नारेबाजी शुरू कर दी। इस दौरान दोनों पक्षों से जमकर बहस और नारेबाजी हुई। विधायक सीटों से उठकर वेल पर आ गए। आपस में धक्का-मुक्की करने लगे। मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने शांत करने का प्रयास किया तो उनके साथ भी धक्कामुक्की की गई। आरोप है कि कागज के टुकड़े फाड़कर स्पीकर पर उड़ाए गए। बेल में उतरकर नारेबाजी और मारपीट की गई। इस दौरान विधायक नरहरि महतो गिर गए। बीजेपी विधायक मनोज टिग्गा ने आरोप लगाया कि उनके कपड़े फाड़कर उन्हें पीटा गया। वहीं बीजेपी विधायक असित मजूमदार के घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

दीपिका पादुकोण ने जीता ये बड़ा इंटरनेशनल अवॉर्ड

मेंटल हेल्थ की फील्ड में काम करने पर

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण फिल्म जगत में आउट साइडर होने के बावजूद भी आज बड़ा नाम है। दीपिका ये मुकाम अपने दम पर हासिल किया है। दीपिका ने एक ऐसा समय भी देखा है, जब वे डिप्रेशन से जूझ रही थीं। दीपिका ने न सिर्फ खुद को डिप्रेशन से बचाया, बल्कि मेंटल हेल्थ की फील्ड में काफी काम भी किया। दीपिका को इसी हिम्मत और साहस के लिए 'टाइम 100 इम्पैक्ट अवॉर्ड' से नवाजा गया है।

28 मार्च को दीपिका ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट शेयर कर अवॉर्ड जीतने की खुशी जाहिर की। फैंस के साथ यह खुशी साझा कर दीपिका ने लिखा, मुझे लगता है कि सोमवार की शुरूआत करने के लिए इससे अच्छा और कुछ नहीं हो सकता। साथ ही उन्होंने आभार व्यक्त करते हुए 'टाइम' को टैग भी किया। इस अवॉर्ड से दुनिया के 100 उन चुनिंदा लोगों को सम्मानित किया गया है जो अपनी पहचान का इस्तेमाल एक बेहतर भविष्य बनाने के लिए कर रहे हैं।

दीपिका ने बताया था कि साल 2014 में वह डिप्रेशन से जूझ रही थीं। दीपिका के अनुसार उस वक्त उनके रोने के अंदाज से उनकी मां उज्जला पादुकोण उनका दर्द समझ गई थीं। उनकी मां समझ गई थीं कि वहां ब्रेकअप या स्ट्रेस से ज्यादा बड़ी मुसीबत में हैं। दीपिका के अनुसार उन्हें इस बीमारी से निकलने और लड़ने में उनकी मां ने मदद कर सलाह भी दी थी। दीपिका ने कहा था, एक बार मेरा परिवार मुझसे मिलने आया हुआ था, जब ये लोग वापस जा रहे थे और अपने बैग्स पैक कर रहे थे उस दौरान मैं इनके रूम में ही मौजूद थी और अचानक ही मैं रोने लगी थी।'

लोक सभा में हंगामे के बीच पेश हुआ दण्ड प्रक्रिया (पहचान) विधेयक 2022

-पक्ष में 120 और विरोध में 58 सांसदों ने किया मतदान

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश की संसद में विरोधी दलों के हंगामे और मत विभाजन की मांग के बीच वोटिंग के द्वारा केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी ने सोमवार को लोकसभा में दण्ड प्रक्रिया (पहचान) विधेयक 2022 को पेश कर दिया। विरोधी दलों द्वारा डिवीजन की मांग पर लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस विधेयक को पेश करने के प्रस्ताव पर सदन में मतदान कराया। सरकार द्वारा विधेयक पेश करने के प्रस्ताव के समर्थन में 120 सांसदों और विरोध में 58 सांसदों ने वोट किया। सोमवार को लोकसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की तरफ से गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी ने दण्ड प्रक्रिया (पहचान) विधेयक 2022 को पेश किया। विरोधी दलों की तरफ से कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी एवं मनीष तिवारी, आरएसपी के एनके प्रेमचंद्रन, तृणमूल कांग्रेस के सौगत रॉय और बसपा के रितेश पांडेय ने इस विधेयक को संविधान प्रदत मौलिक अधिकारों का उल्लंघन और सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए कई आदेशों के खिलाफ बताते हुए इसे लोकसभा में पेश करने का विरोध किया।

विरोधी दलों के आरोपों को खारिज करते हुए गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी ने कहा कि इससे पहले बंदी शिनाख्त अधिनियम 1920 में बनाया गया था और यह 102 साल पुराना हो चुका है। उन्होंने बताया कि 1980 में विधि आयोग ने भी इसमें संशोधन की सिफारिश की थी लेकिन इस सिफारिश को किए गए भी 42 वर्ष हो चुके है। इसलिए जांच एजेंसियों की सुविधा और सजा की दर को बढ़ाने के लिए राज सरकारों और इससे जुड़े सभी पक्षों से चर्चा के बाद इस विधेयक को लाया गया है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस विधेयक के माध्यम से लोगों के मौलिक अधिकारों का हनन नहीं किया जा रहा है और बिल पर चर्चा के दौरान सरकार सभी शंकाओं का जवाब देने के लिए तैयार है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा विधेयक पेश करने के प्रस्ताव पर पहले ध्वनिमत से अनुमति ली गई लेकिन विपक्ष द्वारा मत विभाजन की मांग करने पर सदन में मतदान कराया गया। जिसमें सरकार द्वारा विधेयक पेश करने के प्रस्ताव के समर्थन में 120 सांसदों और प्रस्ताव के विरोध में 58 सांसदों ने वोट किया और यह बिल लोकसभा में पेश हो गया।

बिहार विधानसभा में फाड़े गए 'द कश्मीर फ़ाइल्स' के टिकट

पटना (ईएमएस)। बिहार विधानसभा में विपक्षी सदस्यों ने फिल्म 'द कश्मीर फ़ाइल्स' का फ्री टिकट फाड़ दिया। ये टिकट उप मुख्य मंत्री तारकिशोर प्रसाद द्वारा सदस्यों को उपलब्ध कराए गए। विपक्ष के सदस्यों का कहना था कि जानबूझकर एक फ़िल्म को राजनीति का मुद्दा बनाया जा रहा है। विपक्षी सदस्यों ने फिल्म 'द कश्मीर फ़ाइल्स' की स्पेशल स्क्रीनिंग का बहिष्कार किया। विवेक अग्निहोत्री की यह फिल्म 'घाटी' में आतंकवाद के चरम पर होने के दौरान कश्मीरी पंडितों के पलायन पर केंद्रित है। विपक्ष के सदस्यों ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ऐसा करके बीजेपी के कथित एजेंडे को प्रमोट कर रही है।

उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने सदन को बताया कि सभी विधायकों के लिए फिल्म का कॉम्पलीमेंट्री शो आयोजित किया गया है, इसके बाद उन्हें फिल्म के टिकट बांटे गए। सदन में जब शून्यकाल शुरू हुआ तो विपक्षी सदस्यों का विरोध और तेज हो गया और मुख्य विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सदस्यों ने भी भाकपा (माले) सदस्यों के समर्थन में नारेबाजी शुरू कर दी और आसन के सामने आए गए और इस दौरान उन्होंने टिकटों को फाड़ कर हवा में उछाल दिया। इस पर विधानसभा अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा ने नाराजगी जताई और सदस्यों से सदन की गौरवमयी ' विरासत' का सम्मान करने को कहा और सदन की कार्यवाही एक बजे होने वाले भोजनावकाश से करीब आधे घंटे पहले ही स्थगित कर दी।

सदन के बाहर दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर आरोप लगाए। भाकपा (माले) के विधायक अजीत कुशवाह ने कहा, ''यह भाजपा की सांप्रदायिक एजेंडे को और आगे बढ़ाने की चतुर कोशिश है। भूतकाल में सभी तरह के मुद्दों पर कई फिल्में बनी हैं। लेकिन पहले कभी सरकार की ओर से इस तरह फिल्म को प्रोत्साहित करने की कोशिश नहीं देखी गई।''उन्होंने कहा, '' भाजपा यूपी चुनाव में मिली जीत के नशे में चूर है जहां पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'बुलडोजर बाबा' का उपनाम प्राप्त किया है। अब वह बिहार के गरीबों पर बुलडोजर चलाना चाहती है। हम ऐसा नहीं होने देंगे।''उन्होंने कहा कि कल हम केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह द्वारा सांप्रदायिक भावनाओं को भड़काने के मुद्दे पर स्थगन प्रस्ताव लाएंगे।

उल्लेखनीय है कि बेगूसराय से लोकसभा सदस्य ने आरोप लगाया था कि उनके निर्वाचन क्षेत्र में हिंदू कथित तौर पर ''उत्पीड़न''का सामना कर रहे हैं और उन्होंने इसके लिए तृष्टिकरण की राजनीति को जिम्मेदार ठहराया था।

कांग्रेस की करारी हार के बाद मनीष तिवारी ने नवजोत सिंह सिद्धू, हरीश रावत और चौधरी पर खड़े किए सवाल

राज्य ब्यूरो । श्रीआनंदपुर साहिब से कांग्रेस के सांसद मनीष तिवारी ने पंजाब में कांग्रेस पार्टी को मिली करारी हार के लिए पार्टी के हालातों को जिम्मेदार ठहराया है। तिवारी ने पार्टी हाईकमान से लेकर पंजाब के नेतृत्व पर भी सवालिया निशान लगाए हैं। उन्होंने कहा कि केवल 'आंधी' नहीं हार के कुछ बुनियादी कारण थे। कांग्रेसी सांसद ने कहा कि केंद्र और राज्य नेतृत्व को इन बातों पर चिंतन करने की जरूरत है। उन्होंने पूर्व प्रदेश प्रभारी हरीश रावत और वर्तमान प्रभारी हरीश चौधरी पर भी सवाल खड़े किए हैं।

तिवारी के कांग्रेस हाईकमान के आगे सवाल उठाया क्या मल्लिकार्जुन खड़गे कमेटी को बनाना सही था? क्या 2017 में बाहर से आकर पार्टी में शामिल हुए नवजोत सिंह सिद्धू को पंजाब प्रधान बनाना सही था? क्या कैप्टन अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री के पद से हटाना सही था? तिवारी ने कहा कि हरीश रावत ने पंजाब में कांग्रेस का बहुत बड़ा नुकसान किया, उसकी क्या जिम्मेदारी है? हरीश चौधरी ने जो गलत टिकट बांटे, उसकी क्या जिम्मेदारी है? जैसे बोल सुनील जाखड़ चुनाव बोल रहे थे। हिंदू और सिखों में फर्क करने की कोशिश की गई, उनकी क्या जिम्मेदारी बनती है?

विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद मनीष तिवारी लगातार आक्रामक होकर सवाल उठा रहे हैं। कांग्रेस में हार के बाद आम आदमी पार्टी की आंधी की आड़ में हार के कारणों को दबाने की हो रही कोशिश पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। तिवारी ने कहा कि मार्च 2021 तक कोई नहीं कह सकता था कि पंजाब में कांग्रेस दोबारा सरकार नहीं बना सकती, लेकिन फरवरी 2022 तक ऐसा क्या हो गया कि कांग्रेस की हार का सामना करना पड़ा। खड़गे कमेटी को लेकर तिवारी ने जो सवाल खड़े किए उससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि कांग्रेस की हार की नींव वहीं से रखी जाने लगी थी। क्योंकि खड़गे कमेटी के सामने ही जाकर कांग्रेस दो फाड़ हो गई थी, जिसके बाद कांग्रेस बिखरती ही चली गई।

श्री आनंदपुर साहिब के सांसद मनीष तिवारी ने हरीश रावत और हरीश चौधरी पर सवाल खड़े कर दिए हैं, क्योंकि हरीश रावत के पंजाब में आने के बाद से ही पंजाब कांग्रेस में बगावत शुरू हो गई थी, जबकि विधानसभा चुनाव के दौरान टिकटों के बंटवारे को लेकर लगातार सवाल खड़े होते रहे, लेकिन पार्टी हाईकमान ने इस तरफ बिल्कुल ध्यान नहीं दिया।

बेंगलुरु से मैसूर की दूरी 75 मिनट में होगी तय, अक्टूबर में देश को मिलेगा नया नेशनल हाइवे

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि कर्नाटक में राष्ट्रीय राजमार्ग का 117 किलोमीटर लंबा खंड पूरा होने से बेंगलुरु से मैसूर तक की यात्रा समय घटकर सिर्फ 75 मिनट में पूरा होगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बेंगलुरु से मैसूर जाने में करीब तीन घंटे लगते है। यह काम अक्टूबर, 2022 तक पूरा होगा।

गडकरी ने कई ट्वीट कर कहा, कर्नाटक में राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-275 का बेंगलुरू-निदाघट्टा-मैसूर खंड, दस लेन का एक 117 किलोमीटर लंबा हिस्सा है। उन्होंने कहा, इस हिस्से का निर्माण 8,350 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है।हिस्से का निर्माण कार्य पूरा होने के नजदीक हैं, अक्टूबर, 2022 तक यह पूरा होगा।

पीएम मोदी पहली अप्रैल को करेंगे छात्रों के साथ परीक्षा पे चर्चा

नई दिल्ली (ईएमएस)। दसवीं और बारहवीं की परीक्षा समेत अहम परीक्षाओं से पहले पीएम मोदी एक बार फिर से छात्रों को एक्जाम के दौरान होने वाले तनाव को दूर करने का मंत्र देते दिखेंगे। छात्रों के साथ यह चर्चा अब एक अप्रैल को नई दिल्ली स्थित तालकटोरा स्टेडियम में होगी। इसमें छात्रों के साथ शिक्षक और अभिभावक भी शामिल होंगे। कोरोना की स्थिति में सुधार के बाद शिक्षा मंत्रालय ने इस चर्चा को पहले की तरह आयोजित करने का एलान किया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर कहा कि आइए परीक्षाओं का त्योहार मनाएं। आइए बात करते हैं तनाव मुक्त परीक्षाओं की। एक अप्रैल को परीक्षा पे चर्चा में मिलते हैं। शिक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को पीएम मोदी की छात्रों के साथ परीक्षा पे चर्चा की तारीख घोषित की, जिसमें छात्र पहले की तरह पीएम के साथ बैठकर परीक्षा और पढ़ाई से जुड़े विषयों पर सीधे सवाल पूछ सकेंगे।

सीएम सावंत ने संभाला कार्यभार, बोले- 5 साल में मेनिफेस्टो के वादे पूरा करेंगे

-गोवा 2.0 मिशन में सभी सेक्टर में रोज़गार पैदा करना सरकार की प्राथमिकता रहेगी

पणजी(ईएमएस)। तीन बार के विधायक प्रमोद सावंत ने सोमवार को लगातार दूसरी बार गोवा के सीएम पद एवं गोपनियता की शपथ ली। इसके बाद सीएम सावंत ने पणजी में अपना कार्यभार संभाला। सीएम सावंत ने बताया कि स्वयंपूर्ण गोवा 2.0 मिशन शुरू होगा, सभी सेक्टर में रोज़गार पैदा करना सरकार की प्राथमिकता रहेगी, केंद्र सरकार के सहयोग से गोवा में पर्यटन को बढ़ावा देने की हमारी कोशिश रहेगी।

कार्यभार संभालने के बाद सीएम प्रमोद सावंत ने बताया कि खनन फिर से शुरू करना हमारी प्राथमिकता होगी। अपने मेनिफेस्टो में हमने जो कहा है, उन तमाम चीजों को हम 5 साल में करेंगे। प्रमोद सावंत मंत्रिमंडल में विश्वजीत पी राणे, मौविन गोडिन्हो, रवि नाइक, नीलेश कैबराल, सुभाष शिरोडकर, रोहन खुंटे, गोविंद गौते और अतानासियो मोनसेरेट को शामिल किया गया। प्रमोद सावंत उत्तरी गोवा के सांखालिम से विधायक हैं। 2017 में जब मनोहर पर्रिकर के नेतृत्व में भाजपा ने अपनी सरकार बनाई तो उन्हें विधानसभा अध्यक्ष चुना गया। उन्होंने मनोहर पर्रिकर के निधन के बाद मार्च 2019 में पहली बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। प्रमोद सावंत पेशे से एक आयुर्वेद चिकित्सक हैं।

पेट्रोल 30 और डीज़ल 35 पैसे प्रति लीटर महंगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। पेट्रोल और डीजल सोमवार को ?फिर से महंगा हो गया है। पेट्रोल की कीमतों में 30 पैसे प्रति लीटर और डीज़ल की कीमत में सोमवार को 35 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई। पिछले एक सप्ताह में छठी बार कीमत में बढ़ोतरी की गई है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम विपणन कंपनियों की तरफ से जारी मूल्य संबंधी अधिसूचना के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 99.11 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर अब 99.41 रुपए प्रति लीटर और डीज़ल की कीमत 90.42 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर 90.77 रुपए प्रति लीटर हो गई है। पेट्रोल और डीज़ल के कीमतों में देश भर में वृद्धि की गई है, लेकिन इनके दाम स्थानीय कर के आधार पर अलग-अलग राज्यों में भिन्न हैं। पेट्रोल तथा डीज़ल की कीमतें रिकॉर्ड 137 दिन तक स्थिर रहने के बाद 22 मार्च को बढ़ाई गई थीं। इसके बाद 23 मार्च को भी इनकी कीमतों में प्रति लीटर 80 पैसे की बढ़ोतरी की गई थी। तब से छह बार कीमतों में वृद्धि की गई है।

कार्टून कोना

पाठकों से निवेदन

प्रिय पाठक आपका प्रिय समाचार पत्र जनहितैषी पिछले कई वर्षों से मात्र १रू. के मूल्य पर दिया जा रहा है। किन्तु अब अखबारी कागज, इन्क के दामों में वृद्धि व अन्य खर्चों में बढ़ोत्तरी के चलते अब दि.०१अप्रैल२०२२ से १ रूपया ५० पैसे में प्राप्त होगा आप से निवेदन है पिछले वर्षों की तरह ही आगे भी सहयोग करते रहेंगें।

-सम्पादक

गडकरी ने कहा, कांग्रेस कमजोर होना दुखद, कांग्रेस ने कहा पीएम मोदी से बात करे

मुंबई (ईएमएस)। भाजपा नेता व केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा था कि बेहतर लोकतंत्र के लिए कांग्रेस का मजबूत होना बहुत जरूरी है। कांग्रेस नेताओं ने गडकरी के बयान का स्वागत किया है। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के नेता सचिन सावंत ने केंद्रीय मंत्री गडकरी की उस कथित टिप्पणी का स्वागत किया जिसमें गडकरी ने कहा था कि ''लोकतंत्र के लिए मजबूत कांग्रेस अहम है।

हालांकि उन्होंने गडकरी को पीएम मोदी से बात करने की सलाह जरूर दे दी। सावंत ने गडकरी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से विपक्ष को नष्ट करने की भाजपा की कोशिश के बारे में बात करने का आह्वान किया।

बता दें कि गडकरी ने कार्यक्रम में कहा था कि लोकतंत्र के लिए मजबूत कांग्रेस अहम है और यह उनकी ईमानदारी से इच्छा है, कि पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत बने। उन्होंने कहा था कि लोकतंत्र दो पहियों के सहारे चलता है जिनमें से ''एक पहिया सत्ताधारी पार्टी है, जबकि दूसरा पहिया विपक्ष है। लोकतंत्र के लिए मजबूत विपक्ष की जरूरत है और इसलिए मै हृदय से महसूस करता हूं कि कांग्रेस को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत होना चाहिए।''

गडकरी ने कहा कि चूंकि कांग्रेस कमजोर हो रही है, अन्य क्षेत्रीय पार्टियां उसका स्थान ले रही हैं। उन्होंने कहा, यह लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है कि अन्य क्षेत्रीय पार्टियां कांग्रेस का स्थान लें।''

वहीं, महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस समिति के महासचिव सांवत ने गैर भाजपा शासित राज्यों में, वहां की सरकारों का उत्पीड़न करने के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग पर चिंता जाहिर की हैं। उन्होंने कहा, ''गडकरी जी ने जो चिंता जाहिर करे, हम उसकी प्रशंसा करते हैं लेकिन उन्हें अपने नेता मोदी जी से भी भाजपा की, विपक्षी पार्टियों और लोकतंत्र को केंद्रीय जांच एजेंसियों के द्वारा नष्ट करने की कोशिश के बारे में बात करनी चाहिए।

सावंत ने दावा किया, सुप्रीम कोर्ट भी असहाय प्रतीत हो रहा है। आप जांच एजेंसियों का इस्तेमाल गैर भाजपा पार्टियों की सरकारों को प्रताड़ित करने के लिए कर रहे हैं। कांग्रेस नेता आरोप लगाया कि इस तरह की राजनीति गत आठ सालों से हो रही है जो अभूतपूर्व है। कांग्रेस नेता ने कहा, यह लोकतंत्र और देश के हित में होगा अगर वह (गडकरी) विपक्ष को नष्ट करने और लोकतंत्र को तानाशाही में बदलने की भाजपा की मनोस्थिति के बारे में मोदी से बात करें।''

उन्होंने कहा कि हालांकि गडकरी द्वारा व्यक्त की गई भावना अच्छी है। सावंत ने कहा कि वह इस बात से अनजान नहीं हैं कि कैसे मोदी सरकार देश में लोकतंत्र का गला घोंटने की कोशिश कर रही है।

पाक पीएम इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश, 31 मार्च को फैसला

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तानी संसद में प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश हो गया है। इसके बाद संसद की कार्यवाही 31 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी गई हैं। स्पीकर ने कहा कि 31 मार्च को शाम 4 बजे अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान होगा, जो इमरान सरकार की तकदीर तय करेगा। इमरान सरकार के खिलाफ पेश प्रस्ताव को 161 सांसदों ने समर्थन किया है। इमरान के खिलाफ यह अविश्वास प्रस्ताव विपक्ष के नेता शाहबाज शरीफ ने पेश किया। उन्होंने कहा कि देश की जनता का इमरान खान नियाजी की सरकार पर भरोसा नहीं रहा गया है, इसके बाद सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान कराया जाना चाहिए।

पाक संसद के स्पीकर ने सदस्यों की गिनती के बाद कहा कि 161 सांसदों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया है। इसके बाद शाहबाज शरीफ ने इमरान के खिलाफ लाए अविश्वास प्रस्ताव को पढ़ा। पाकिस्तान की संसद में शुक्रवार को ही इमरान सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश होना था, लेकिन स्पीकर असद कैसर ने सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई थी।

कहा जा रहा है, कि इमरान सरकार की रणनीति के तहत सदन की कार्यवाही स्थगित की गई थी ताकि वह कुछ सांसदों को अपने पक्ष में ला सकें। रविवार को इमरान खान ने इस्लामाबाद में एक बड़ा जलसा भी किया था, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए थे। इस जलसे में इमरान खान ने कहा था कि विदेशी ताकतों की मदद से उनकी सरकार को गिराने का प्रयास किया जा रहा है। इसके अलावा इमरान ने नवाज शरीफ, फजलुर्रहमान और बिलावल भुट्टो जरदारी पर हमला बोलकर कहा था कि मेरी सरकार के खिलाफ सारे डाकू एकजुट हो चुके हैं। यही नहीं अपने संबोधन में इमरान खान ने कहा था कि 1990 के बाद की हमारी सरकारें नालायक रही हैं और इसी के चलते हम पिछड़ते चले गए, जबकि हमारा पड़ोसी मुल्क भारत आगे निकल गया।

कोरोना मामले बढ़ने के बाद शंघाई में लाकडाउन

-अफ्रीका में 2422, फ्रांस में 1486 मामले सामने आए

शंघाई(ईएमएस)। चीन के फाइनेंशियल हब कहे जाने वाले शहर शंघाई में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ने के बाद लाकडाउन लगा दिया गया है। यहां लाकडाउन के चलते करीब ढाई करोड़ से अधिक लोग घरों में बंद हो गए हैं। इस लाकडाउन के बाद शहर की सड़के और बाजार पूरी तरह से सूनसान हो गए हैं। यहां पर एक बार फिर से वही माहौल देखा जा रहा है जो कोरोना महामारी के पहले वर्ष में था। हांगपू नदी से लगते शहर में नौ दिनों का लाकडाउन लगाया है। इससे पहले सरकार यहां पर लाकडाउन लगाने को मना कर रही थी।

कोरोना की शुरुआत वर्ष 2019 के अंत में चीन से ही हुई थी। हालांकि चीन ने दावा किया था कि उसने इस महामारी पर काबू पा लिया है, लेकिन इस वर्ष से लगातार चीन के विभिन्न शहरों में कोरोना के मामलों में तेजी दर्ज की गई है। शंघाई में लगातार बढ़ते मामलों के बाद चीन ने एक बार फिर से बड़े पैमाने पर कोरोना की टेस्टिंग शुरू कर दी है। इस लाकडाउन के दौरान आवश्यक वस्तुओं की सेवा छोड़कर अन्य सभी को बंद किया गया है। सार्वजनिक परिवहन को भी बंद कर दिया गया है। शंघाई का प्रमुख डिज्नी थीम पार्क भी बंद किया जा चुका है। इस माह में ही चीन में 56 हजार से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं इनमें चीन के उत्तर पूर्वी जिलिन में सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। चीन का कहना है कि वो जीरो कोविड पालिसी पर अमल करता है। इसलिए ही वो इसकी रोकथाम के लिए कड़े कदम भी उठा रहा है। नियमों के उल्लंघन पर यहां सजा तक का प्रावधान है। चीन में करीब 144,515 कोरोना के मामले हैं। यहां पर इसकी चपेट में आकर करीब साढ़े चार हजार से अधिक मरीजों की जान अब तक जा चु

जन हितैषी

चीन को दो टूक

पूर्वी लद्दाख में मई 2020 के बाद से चीन के साथ बने तनावपूर्ण हालात को निपटाने भारत की तरफ से किए गए अब तक के प्रयासों का कोई हल नहीं निकला है। इस बीच दोनों देशों के बीच 15 दौर की बात हो चुकी है, मगर हर बार चीन कोई न कोई हरकत कर सारी मेहनत पर पानी फेरता रहा है। भारत हर बार चीन की दादागिरी का जवाब देता रहा है। अब चीन के विदेश मंत्री वांग यी को भी भारत ने साफगोई के साथ कह दिया है कि लद्दाख के बाकी इलाकों से भी सेना तुरंत हटाई जाए, इसके बगैर द्विपक्षीय रिश्ते सामान्य नहीं हो सकेंगे। सीमा पर शांति बहाली से ही परस्पर विश्वास बढ़ेगा। मौजूदा स्थिति दोनों देशों के हित में नहीं है। वांग यी की मुलाकात एनएसए अजीत डोभाल के साथ हुई थी। डोभाल ने यी से कहा कि कूटनीतिक व सैन्य स्तर पर सकारात्मक बातचीत रिश्तों को सामान्य बनाने की पूर्व शर्त है। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि किसी भी कार्रवाई से दोनों देशों की सुरक्षा का हनन नहीं हो। इस दिशा में प्रयास करने होंगे। साथ ही जितनी जल्दी हो बकाया मसलों को हल किया जाना चाहिए। मई 2020 के बाद से दोनों देशों के बीच लद्दाख में गतिरोध कायम है। इसके बाद से किसी वरिष्ठ चीनी नेता की यह पहली भारत यात्रा है। पिछले महीने विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा था कि चीन के साथ भारत के संबंध बहुत कठिन दौर से गुजर रहे हैं। गलवान घाटी में हिंसक संघर्ष के बाद दोनों देशों ने गतिरोध दूर करने के लिए कई दौर की सीमा वार्ता की है। भारत लद्दाख में तनाव वाले सभी इलाकों से सेना की पूरी तरह वापसी पर अड़ा हुआ है। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैनिकों का जमावड़ा खत्म करने के लिए भारत और चीन के बीच हुई अब तक की बातचीत से जो संकेत मिले हैं, उनसे लग रहा है कि अब गतिरोध टूटना चाहिए और हालात सामान्य बनाने की दिशा में बढ़ना चाहिए। लेकिन चीन का अब तक जो रवैया रहा है, उसमें ज्यादा उम्मीद करना व्यर्थ ही है। चीन सीमा क्षेत्र से सैनिकों की तादाद घटाने की बात तो हर बार करता रहा है, लेकिन इस दिशा में कोई ऐसा कदम नहीं बढ़ा रहा, जिससे गतिरोध खत्म करने को लेकर उसके प्रयासों में गंभीरता नजर आती हो। पर अब तक की बातचीत का लब्बोलुआब यह बताया जा रहा है कि आने वाले दिनों में कुछ खास जगहों पर से दोनों देशों के सैनिक पीछे हट सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो सीमा पर तनाव कम करने की दिशा में यह बड़ा कदम हो सकता है। दोनों देशों के बीच इस साल मई में उस वक्त तनाव शुरू हुआ था जब पूर्वी लद्दाख में एलएसी के पास भारतीय क्षेत्र में चीनी सैनिक घुस आए थे। इसके बाद 15-16 जून की रात गलवान घाटी में चीनी सैनिकों ने भारतीय सैनिकों पर हमला कर दिया था और भारत के 20 जवान शहीद हो गए थे। पिछले कुछ महीनों में भारत को लेकर चीन ने बहुत ही आक्रामक रुख अपनाया है। पिछले कुछ माह में रक्षा मंत्री, थल और वायु सेना प्रमुखों और रक्षा सेवाओं के प्रमुख (सीडीएस) का लद्दाख सीमा का दौरा बता रहा है कि चीनी गतिविधियों को लेकर भारत सतर्क है और चीन के किसी भी हमले का जवाब देने के लिए पूरी तैयारी है। भारत की स्थिति और रुख पहले से ही स्पष्ट है कि जब तक चीन पांच मई के पूर्व की स्थिति बहाल नहीं करता, तब तक गतिरोध खत्म नहीं होगा। अब बात कुछ खास जगहों पर से दोनों देशों के सैनिकों के पीछे हटने की हो रही है। सवाल तो यह है जब भारतीय सैनिक अपने इलाके में हैं और घुसपैठ चीन के सैनिकों ने की है तो उसे ही अपने सैनिकों को पीछे हटाना चाहिए। लेकिन चीन जरा पीछे नहीं हटा, न ही इस सहमति को लेकर उसकी ओर से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली। वार्ताओं की सार्थकता तभी है जब चीन उस पर ईमानदारी से अमल करे। वरना दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ेगा ही। इसमें कोई संदेह नहीं कि पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर आज जो हालात हैं, उनसे निपटना बड़ी चुनौती साबित हो रहा है। चीन आए दिन मामले को और संकटपूर्ण बनाता जा रहा है। इसीलिए भारत ने साफ कह दिया है अगर जरूरत पड़ी तो वह चीन को सबक सिखाने के लिए सैन्य विकल्प सहित सभी उपायों का प्रयोग करने में जरा भी नहीं हिचकिचाएगा। यही बात सदन में रक्षा मंत्री ने जोर देकर कही। दरअसल इस तरह के टकरावों के पीछे बड़ा कारण यह है कि सीमाओं को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है। भारत जिसे सीमा मानता रहा है, चीन उसे नहीं मानता। इसी का फायदा उठा कर वह हर बार नए ठिकानों पर कब्जा जमाता है और उस क्षेत्र पर अपना दावा ठोक देता है। भारत और चीन के बीच इस बात को लेकर सहमति पहले से बनी हुई है कि जब तक सीमा विवाद का स्थायी समाधान नहीं निकल जाता, तब तक एलएसी पर कम से कम सेना की तैनाती होगी। इसके अलावा, 1990 से लेकर 2003 तक दोनों देशों ने वास्तविक नियंत्रण को लेकर आपसी समझ बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए, लेकिन बाद में चीन इससे पीछे हट गया। जाहिर है, वह चाहता ही नहीं है कि एलएसी को लेकर कोई एक राय बने।

न्यायप्रिय पुलिस अफसरानों की कहानी..!

भारत में जो सियासी व्यवस्था है उसमें पुलिस का स्थान सबसे ऊपर आता देखा जाता है। पुलिस अफसरों की लोकप्रियता से हमने पिछले 45 सालों में तमाम सियासतदां को ईषा करते देखा है वो उनके तबादलों के लिये सूबों के चीफ मिनिस्टर के सामने गिड़गिड़ाते देखे गये हैं। 83-84 में मैने खुद अर्जुन सिंह के सामने ऐसे कुछ वाकये देखे थे।

भिण्ड के चर्चित पुलिस कप्तान रहे राजेन्द्र चतुर्वेदी की पदस्थापना ग्वालियर में करने पर उनकी बिरादरी का कुछ विरोध रहा था पर अर्जुन सिंह ने चतुर्वेदी को ग्वालियर का पुलिस कप्तान बनाने का वादा किया था। 1983 में मलखान सिंह व फूलन देवी के बहुचर्चित सरेंडर से चम्बल की छवि को डकैत मुक्त करने के अभियान में अर्जुन सिंह को खूब नम्बर एस.पी. चतुर्वेदी ने दिलाये थे। चतुर्वेदी अपने डी.आय.जी. महेश दत्त शर्मा को कोई तरजीह नहीं देते थे। वो सीधे सी.एम. से जुड़कर उनको सारी योजनायें बताकर डकैतों के मसलों पर चर्चा कर निर्णय करा लेते थे। उस दौर में डी.जी. का पद भी नहीं था पर जे.एम. कुरेशी व एच.एम.जोशी आदि आईजीयों को सी.एम. खूब मानते थे बब्बर, ढिल्लन आदि उस दौर में भिण्ड, मुरैना के पुलिस कप्तान रहे थे।

म.प्र., उ.प्र. व राजस्थान आदि की सरकारों की सबसे बड़ी समस्यायें में से एक डकैत समस्या थी। विश्वनाथ प्रताप सिंह व अर्जुन सिंह तक को इनसे जूझना पड़ता था। म.प्र. में एच.एम.जोशी, जमील कुरेशी, अयोध्यानाथ पाठक, महेश शर्मा, विजयरमन आदि जाबाजों की टोली डकैतों के अभियान के नायक के तौर पर चर्चित थे। उनके बाद दिनेश जुगरान, यू.एम.जोशी, सक्सैना आदि के नेतृत्व में डकैतों के खिलाफ खूब अभियान चलाये गये थे। जिसमें ग्वालियर के वर्तमान आई.जी. अनिल शर्मा, रमन सिकरवार, डॉ. हरिसिंह यादव आदि ने म.प्र. में से 8 से 6 जिलों की कप्तानी की है व भोपाल इन्दौर में खूब नाम कमाया।

मध्य प्रदेश पुलिस ने बड़ी बहादुरी से शिवपुरी, मुरैना, भिण्ड, ग्वालियर, दतिया, सागर, दमोह, टीकमगढ़ आदि में इस अभियान में 20 सालों तक कानून के राज के लिये अपना खून पसीना बहाया। दिल्ली में प्रकाश चन्द्र सेठी, अर्जुन सिंह को पुलिस की बहादुरी से खूब सम्मान मिला। उन्होंने भी अपने पुलिस अफसरों पर राष्ट्रपति तक से मेडलों की बरसातें करायीं कोई 40-50 मैडल उस दौर में 3-4 सालों में ही बट गये थे।

मध्य प्रदेश में देखा गया है कि प्रशासनिक अफसरों एम.एन.बुच, जी.एन.बुच, निर्मला बुच, एच.एम.जोशी, जे.एम.कुरेशी आदि की प्रतिष्ठा किसी सांसद विधान वजीर आदि से कम नहीं थी। इनकी पदस्थापनाओं के लिये सिंधिया से लेकर दिग्विजय सिंह अपने दौर के सी.एम. साहेबानों से सिफारिशें करते रहे हैं। इनके दबावों के चलते 1960, 1972, 1983 में सैकड़ों डकैतों ने आत्मसमर्पण किया था। (लेखक- नईम कुरेशी /ईएमएस)

दुनिया के सामने आसन्न संकट....!

-विश्व युद्ध की आशंकाः तटस्थ देशों की मनोदशा

पिछले एक माह से रूस व युक्रेन बीच चल रहे युद्ध का रूख अब धीरे धीरे विश्वयुद्ध की ओर होता जा रहा है और यदि इस तीसरे विश्व युद्ध में रूस के राष्ट्रपति पुतीन परमाणु अस्त्रों का उपयोग करते है तो फिर इस विश्व युद्ध की विभीषिका की कल्पना भी नहीं की जा सकती, क्योंकि आज की मौजूदा स्थिति में विश्व में सर्वाधिक साढ़े पांच सौ से अधिक परमाणु बम रूस के पास ही है, यदि रूसी राष्ट्रपति के पागलपन में अभिवृद्धि हो गई और उन्होंने परमाणु अस्त्रों का प्रयोग शुरू कर दिया तो अकेले युक्रेन या पोलेण्ड नहीं बल्कि विश्व के सर्वाधिक भाग पर उसका असर होगा और फिर उसके बाद के विश्व की कल्पना करना भी कठिन होगा। इन्हीं सब आशंकाओं को लेकर विश्व के लगभग सभी देश रूसी राष्ट्रपति को कोस रहे है, क्योंकि जो क्षति पिछले एक महीनें में युक्रेन में नहीं हुई उससे अधिक क्षति परमाणु बमों से कई देशों में एक दिन में ही हो सकती है, अब पूरे विश्व की नजर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाईडन की पोलेण्ड यात्रा और उसकी युद्ध को लेकर भावी भूमिका पर है, साथ ही युक्रेन का अब तक कथित रूप से साथ देने वाले नाटों संगठन देशी समूह पर भी है, यदि नाटो युक्रेन के समर्थन में रूस के सामने खड़ा होता है और अमेरिका उसे पीछे से सहायता करता है तो फिर विश्व युद्ध सुनिश्चित माना जा रहा है।

अब इस स्थिति में सबसे अधिक मनोदशा खराब भारत व इंग्लैण्ड जैसे तटस्थ देशों की है, जो किसी भी महाशक्ति के पीछे खड़े नही है, जबकि इन तटस्थ देशों के सम्बंध रूस और अमेरिका दोनों ही महाशक्तियों से मधुर व सहयोगी है। इसका ताजा उदाहरण भारत द्वारा हाल ही में रूस से तेल खरीदना है और अमेरिका का इस मामले में मौन रहना है, चूंकि हमारे देश के आपसी रिश्ते रूस व अमेरिका दोनों से ही सहयोगी व मधुर है, इसलिए भारत तथा अन्य तटस्थदेशों की मनोदशा इस गंभीर दौर में विचारणीय हो गई है, यद्यपि भारत व इंग्लैण्ड के साथ अन्य देशों जर्मनी, जापान, फ्राँस आदि ने इस बारे में युक्रेन व रूस दोनों ही देशों के राष्ट्रपतियों से आपसी सुलह को लेकर काफी प्रयास किये, जापान तो दोनों देशों के बीच मध्यस्थता के लिए भी तैयार था, किंतु रूसी राष्ट्रपति पुतीन के दीमाग में 'विश्वयुद्ध' ऐसा प्रवेश कर गया है कि वे किसी की कुछ भी सुनने को तैयार नहीं है। भारत और इंग्लैण्ड के प्रधानमंत्रियों ने कल ही इस युद्ध को लेकर गंभीर चिंतन किया, दोनों ही देशों के प्रधानमंत्रियों ने रूस के राष्ट्रपति से भी बात की, किंतु उसका कोई प्रतिफल नजर नहीं आया, कई बार युक्रेन के राष्ट्रपति ने रूसी राष्ट्रपति से चर्चा का भी प्रस्ताव किया किंतु रूस के राष्ट्रपति पर पागलपन इतना हावी हो गया है कि वे किसी की भी कोई बात सुनने को तैयार ही नहीं है और अब तक दोनों देशों के बीच हुई तीन चर्चाओं के चलते युक्रेन पर बमबारी रोकने को तैयार नहीं है। पिछले एक महीनें में युक्रेन पुरी तरह खत्म हो चुका है उसके सभी मुख्य शहर खण्डहरों में परिवर्तित हो चुके है युक्रेन की राजधानी कीव पर भी रूस ने कब्जा कर लिया है।

अब पूरे विश्व के सामने मुख्य सवाल यह है कि रूसी राष्ट्रपति के इस पागलपन भरे जुनून को कैसे रोका जाए क्योंकि संयुक्त राष्ट्र संघ और सुरक्षा परिषद जैसी विश्व हितैषी संगठन भी कुछ कर नहीं पा रहे है.... और यदि विश्व के देशों की तीसरे विश्वयुद्ध की आशंका सही हो गई तो फिर इस विश्व का क्या होगा? कितना सर्वनाश होगा? इसकी कल्पना भी मुश्किल है, इसी चिंता में आज पूरा विश्व डूबा हुआ है। (लेखक- - ओमप्रकाश मेहता/ ईएमएस)

नए नियमों के तहत खेला जाएगा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट

क्रिकेट को और ज्यादा रोमांचक बनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अब कई नियमों में बदलाव होने जा रहा है, जिनमें अक्तूबर 2017 में बनाए गए कुछ नियम भी शामिल हैं। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के लिए नियम बनाने वाली संस्था 'मेरिलबोन क्रिकेट क्लब' (एमसीसी) के कानून प्रबंधक फ्रेजर स्टीवर्ट का कहना है कि 2017 कोड के आने से खेल के कई नियम बदल गए हैं। उनके मुताबिक 2019 में आए उस कोड का दूसरा संस्करण ज्यादातर स्पष्टीकरण और थोड़ा बहुत संसोधन था किन्तु 2022 कोड बड़ा बदलाव करता है। दरअसल एमसीसी ने अब क्रिकेट के कई नियमों में बदलाव किए हैं, जो ऑस्ट्रेलिया में इसी साल होने वाले टी20 विश्व कप से पहले लागू किए जाएंगे और 1 अक्तूबर 2022 से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में प्रभावी होंगे। इनमें से कुछ नियम इंग्लैंड के द हंड्रेड लीग में लागू किए गए थे। उल्लेखनीय है कि एमसीसी के सुझाव पर ही अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) नियमों को लागू करती है।

एमसीसी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में लागू किए जा रहे नए नियमों को आधुनिक क्रिकेट में नवीनता लाने वाला कदम माना जा रहा है। एमसीसी ने जिन नियमों में बदलाव किया है, उसमें सबसे महत्वपूर्ण बदलाव कैच आउट होने वाले खिलाड़ी को लेकर है। नए नियम के तहत अब कैच आउट होने पर उस खिलाड़ी की जगह आने वाला नया बल्लेबाज ही स्ट्राइक लेगा, बशर्ते वह ओवर की अंतिम गेंद न हो। इससे पहले जब स्ट्राइक पर मौजूद बल्लेबाज का कैच लिया जाता था तो उस दौरान क्रीज पर मौजूद बल्लेबाज रन लेने के लिए दौड़ते थे। अगर कैच लेने से पहले नॉन स्ट्राइक बल्लेबाज हॉफ पिच क्रॉस कर जाता था तो वह अगली गेंद पर स्ट्राइक लेता था। नियम 18.11 में बदलाव के बाद यदि कोई बल्लेबाज कैच आउट हो जाता है तो नया बल्लेबाज अगली गेंद का सामना करने के लिए स्ट्राइक पर आएगा, जब तक कि वह ओवर खत्म नहीं हो, भले ही बल्लेबाजों ने खिलाड़ी के आउट होने से पहले अपने छोर बदल लिए हों। एमसीसी के सुझाव पर इस नियम को पिछले साल इंग्लैंड तथा वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने द हंड्रेड टूर्नामेंट में ट्रायल किया था।

एमसीसी द्वारा नियमों में बदलाव के तहत नियम 41.3 में परिवर्तन करते हुए गेंद पर थूक लगाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, साथ ही फील्डरों के भी मीठी चीजें खाकर लार को गेंद पर लगाने पर रोक लगा दी गई है। गेंदबाज अब गेंद की चमक को बरकरार रखने के लिए लार का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे और गेंद पर लार का इस्तेमाल अब गेंद की स्थिति में बदलाव के अन्य अनुचित तरीकों की तरह ही माना जाएगा। दरअसल कोरोना काल में दोबारा से क्रिकेट का नया दौर शुरू होने के बाद क्रिकेट में कई चीजें बदली थी, जिनमें से एक गेंदबाज द्वारा गेंद पर थूक लगाने पर पाबंदी भी शामिल थी। एमसीसी द्वारा इस पर की गई रिसर्च में पाया गया कि गेंद पर थूक नहीं लगाने से गेंदबाजों को मिलने वाली स्विंग पर प्रभाव नहीं पड़ा। हालांकि कोरोना काल में गेंदबाज गेंद की चमक बनाए रखने के लिए पसीने का इस्तेमाल करते रहे हैं, जो समान रूप से प्रभावी है लेकिन एमसीसी द्वारा गेंद पर लार लगाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

नियमों में तीसरा बड़ा बदलाव डेड बॉल को लेकर नियम 27.4 और 28.6 में बदलाव है। दरअसल डेड बॉल कभी-कभी मैच में काफी अहम भूमिका निभाती है। नए नियम के तहत मैदान पर अचानक किसी प्रशंसक, जानवर या अन्य किसी वस्तु के आ जाने पर अब अम्पायर को यह अधिकार होगा कि वह खेल में व्यवधान उत्पन्न होने की स्थिति में यदि किसी टीम को उस वजह से नुकसान होता है तो उस गेंद को 'डेड बॉल' करार दे सके। अभी तक क्रिकेट के किसी भी प्रारूप में फील्डिंग करने वाली टीम के किसी सदस्य की अनुचित मूवमेंट को डेड बॉल से दंडित किया जाता था लेकिन अब ऐसा होने पर बल्लेबाजी करने वाली टीम को पांच पेनल्टी रन मिलेंगे, जिससे गेंदबाजी करने वाली टीम के सदस्य ज्यादा सतर्क रहेंगे। एमसीसी के नए नियमों में वाइड गेंद तय करते समय भी नियम अलग निर्धारित किया गया है। नए नियम के तहत यह ध्यान रखा जाएगा कि गेंदबाज के रनअप लेने के समय बल्लेबाज कहां खड़ा था। इसे लेकर एमसीसी का कहना है कि उस गेंद को वाइड कहना अनुचित होगा, जो उस जगह पर पड़ी है, जहां गेंदबाज के एक्शन में आने के समय बल्लेबाज खड़ा था। इसी प्रकार नियम 25.8 में बदलाव के बाद अब पिच छोड़ने को मजबूर करने वाली गेंद नो बॉल मानी जाएगी। दरअसल अब अगर गेंद पिच के बाहर गिरती है तो नए नियम के तहत बल्लेबाज के बल्ले का कुछ हिस्सा या उसके पिच के भीतर रहने पर उसे गेंद खेलने का अधिकार होगा और उसके बाहर जाने पर अंपायर डेड बॉल का इशारा करेंगे।

मांकडिंग आउट को लेकर भी एमसीसी ने अपने नियम 38.3 में संशोधन किया है। गेंदबाजी छोर पर खड़े बल्लेबाज को गेंद फैंकने से पहले आउट किए जाने वाले रन आउट को मांकडिंग कहा जाता है और 74 साल बाद मांकडिंग को अनुचित खेल की श्रेणी से हटाया गया है। 1974 में पहला ऐसा वाकया हुआ था, जब भारत के वीनू मांकड़ ने आस्ट्रेलिया के बिल ब्राउन को दूसरे छोर पर आउट किया था। तब मांकड़ के नाम पर ही क्रिकेट जगत में इसे नकारात्मक तौर पर 'मांकडिंग' नाम दिया गया था। हालांकि सुनील गावस्कर इत्यादि भारतीय खिलाडियों ने इसे वीनू मांकड़ के प्रति अपमानजनक बताते हुए इसका कड़ा विरोध किया था। अब इसी मांकडिंग को एमसीसी द्वारा वैध आउट के रूप में स्वीकार किया जाना भारत के लिए बड़ी राहत का विषय है। एमसीसी द्वारा अब दूसरे छोर पर खड़े बल्लेबाज को रन आउट करने संबंधी नियम 41.16 को नियम 41 (अनुचित खेल) से हटाकर नियम 38 (रन आउट) में डाल दिया गया है, जिसमें नॉ स्ट्राइक छोर के बल्लेबाज को रन आउट करने का प्रावधान है। नए नियम में अब मांकडिंग को अनुचित की श्रेणी से हटा दिया गया है और अब यदि नॉन स्ट्राइक पर खड़ा बल्लेबाज गेंद फैंकने से पहले क्रीज से बाहर निकल जाता है तो गेंदबाज गिल्लियां बिखेरकर उसे रन आउट कर सकता है। अभी तक इसे खेल भावना के विपरीत माना जाता था और ऐसा किए जाने पर काफी हो-हल्ला होता था। मांकडिंग को लेकर बने नए नियम के बाद अब बल्लेबाज क्रीज नहीं छोड़ेंगे और इससे रनों और रन आउट होने की संख्या पर भी असर पड़ेगा। बहरहाल, मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर सहित क्रिकेट जगत के अधिकांश दिग्गज एमसीसी के इन नए नियमों को स्वागत योग्य कदम बता रहे हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि नए नियमों के बाद खेल प्रेमियों का आकर्षण क्रिकेट के प्रति और ज्यादा बढ़ेगा। (लेखक- योगेश कुमार गोयल/ ईएमएस)

आज का इतिहास-29 मार्च

1792 स्वीडन नरेश गुस्ताव तृतीय की हत्या हुई थी.
1801 वेस्टइंडीज में डेनमार्क और स्वीडन के द्वीपों पर ब्रिटेन ने कब्जा कर लिया.
1830 स्पेन नरेश फर्डीनांड सातवें ने महिलाओं को गद्दी का उत्तराधिकारी बनाने का आदेश दिया.
1849 महाराजा दिलीपसिंह ने गद्दी छोड़ी और ईस्ट इंडिया कंपनी ने पंजाब पर अधिकार कर लिया.
1849 ब्रिटेन ने इयोनियन द्वीप यूनान को सौंप दिया.
1857 आजादी की लड़ाई की पहली गोली मंगल पांडे ने कलकत्ता के पास बैरकपुर में चलाई.
1946 गोल्ड कोस्ट में नया संविधान लागू किया गया.
1947 मेडागास्कर में फ्रांस के खिलाफ विद्रोह हुआ.
1949 चीन ने कोरिया में संधि के लिए अमेरिकी प्रस्ताव पर विचार करने से प्रथम परमाणु चालित पनडुब्बी का जलावतरण किया.
1972 बोलीविया ने रूसी दूतावास के 117 कर्मियों को निष्कासित किया.
1973 वियतनाम से अमेरिका ने अपनी आखिरी सैनिक टुकड़ी को वापस बुला लिया.
1989 अमेरिका जाने के लिए चेकोस्लोवाकिया के दो किशोरों ने हंगरी के एक विमान का अपहरण किया.
2004 सचिन और वीरेंद्र सहवाग ने पाकिस्तान के विरुद्ध पहले क्रिकेट टेस्ट में रिकार्ड 336 रनों की साझेदारी की.

खतरनाक है, यह अल्पसंख्यकवाद

इधर सर्वोच्च न्यायालय में एक बड़ी मजेदार याचिका पेश की गई है, अश्विनी उपाध्याय के द्वारा! उन्होंने अपनी याचिका में तर्क दिया है कि अल्पसंख्यकता के नाम पर कई राज्यों में बड़े पैमाने पर ठगी चल रही है। जिन राज्यों में जो लोग बहुसंख्यक हैं, वे यह कहते हैं कि हम लोग अखिल भारतीय स्तर पर अल्पसंख्यक हैं, इसलिए हमें अल्पसंख्यकों की सब सुविधाएं अपने राज्य में भी मिलनी चाहिए। जैसे जम्मू-कश्मीर में मुसलमान बहुसंख्यक हैं लेकिन उन्हें इसके बावजूद वहां अल्पसंख्यकों की सारी सुविधाएं मिलती हैं। लेकिन जम्मू-कश्मीर के हिंदुओं, यहूदियों और बहाईयों को, जो वास्तव में वहां अल्पसंख्यक हैं, उन्हें अल्पसंख्यकों की कोई सुविधा नहीं मिलती। यही हाल मिजोरम, नागालैंड, अरुणाचल, लक्षद्वीप, मणिपुर और पंजाब का है। इन राज्यों में रहनेवाले धार्मिक बहुसंख्यकों को भी अल्पसंख्यक मानकर सारी विशेष सुविधाएं दी जाती हैं। उपाध्याय ने अपनी याचिका में अदालत से मांग की है कि अल्पसंख्यकता का निर्णय राज्यों के स्तर पर भी होना चाहिए ताकि वहां के अल्पसंख्यकों को भी न्याय मिले। तर्क की दृष्टि से उपाध्याय बिल्कुल ठीक हैं लेकिन बेहतर तो यह हो कि देश में से मजहब, भाषा और जाति के आधार पर समूहों को बांटा न जाए। राष्ट्रीय एकता के लिए यह बेहद जरुरी है। दूसरे शब्दों में संख्या के आधार पर बना यह विशेष दर्जा राज्य स्तरों पर तो खत्म होना ही चाहिए, यह भी जरुरी है कि इसे अखिल भारतीय स्तर पर भी खत्म किया जाए। 1947 में भारत का बंटवारा इसी मजहबी संख्यावाद के कारण हुआ और अब देश के चुनाव और राजनीति का आधार यही जातीय संख्यावाद बन गया है। यही क्रम आगे चलता रहा तो 1947 में भारत के सिर्फ दो टुकड़े हुए थे लेकिन 2047 में भारत के सौ टुकड़े भी हो सकते हैं। यह बेहद खतरनाक प्रक्रिया है। महाराष्ट्र और कर्नाटक ने संविधान के ढीले-ढाले प्रावधानों का सहारा लेकर मज़हबी और भाषाई आधार पर अपने नागरिकों को बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक वर्गों में बांट रखा है। हमारी केंद्र सरकार ने उक्त याचिका का समर्थन करते हुए संवैधानिक प्रावधान का हवाला भी दे दिया है। संविधान में ऐसा करने की छूट है। लेकिन किसी भी राष्ट्रवादी सरकार को हिम्मत करनी चाहिए कि वह इस राष्ट्रभंजक संवैधानिक प्रावधान को खत्म करवाए और देश के सभी नागरिकों को उनकी जरुरत के मुताबिक (जाति और धर्म के आधार पर नहीं) आवश्यक विशेष सुविधाएं अवश्य दी जाएं। (लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ ईएमएस)

दैनिक पंचांग

29 मार्च 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.48 बजे से
चंद्र	कुंभ में	वृष	08.28 बजे से
मंगल	मकर में	मिथुन	10.26 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.39 बजे से
गुरु	कुंभ में	सिंह	14.55 बजे से
शुक्र	मकर में	कन्या	17.07 बजे से
शनि	मकर में	तुला	19.18 बजे से
राहु	वृष में	वृश्चिक	21.33 ब.से
केतु	वृश्चिक में	धनु	23.49 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		मकर	01.54 बजे से
		कुंभ	03.40 बजे से
		मीन	05.13 बजे से

मंगलवार 2022 वर्ष का 88 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2078 **शक संवत्** 1944
मास चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन)
पक्ष कृष्ण **तिथि** द्वादशी 14.39 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 11.28 बजे को समाप्त। **योग** साध्य 15.13 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 14.39 बजे तदनन्तर गर 01.57 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 24.3 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 03° 17'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871202
जूलियन दिन 2459667.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना सावान
तारीख 25
विशेष प्रदोष व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7239

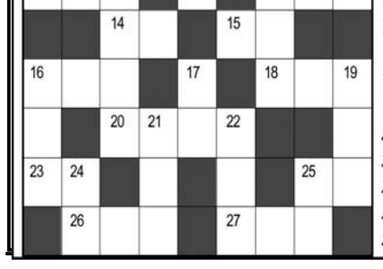

बाएँ से दाएँ

1.कथा,गाथा-3
3.भगौना-3
5.पुष्पहार-2
6.वायदा,कसम-2
8.अभिष्ट इच्छापूर्ति,वर-4
11.योग्य,उपयुक्त-3
13.चिंतन,सोच-विचार-3
14.ताश का एक खेल-2
15.संजय दत्त की पहली फिल्म-2
16.चेहरा,शक्ल-3
18.चाकू,खंजर-3
20.उकसाना,चकमा देना -4
23.लक्ष,सौ हजार-2
25.ईश्वर,भगवान-2
26.विदा,गमन-3
27.लेखनी,पेन-3

ऊपर से नीचे

1.हुनर,फन-2
2.शांति,वीराना-3
3.चिलमन,ओट,घूंघट-3
4.ज्वालामुखी से निकला गर्म पदार्थ-2
5.माजरा,मुद्दा-3
7.आंगन,बरामदा-3
9.भागना (अंग्रेजी-2)
10.चटपटा,क्षारीय-4
12.कारनामा,करिश्मा-4
16.अच्छे सुर का ज्ञाता-3
17.मालिक,स्वामी-2
19.प्रेम प्रतिद्वंदी(उर्दू-3)
21.बेदखल करना-3
22.फिजूल,व्यर्थ-2
24.गधा,गर्दभ -2
25.एक प्रकार की विदेशी शराब-2

शब्द पहेली -7238 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

मेदवेदेव मियामी ओपन के तीसरे दौर में पहुंचे

मियामी गार्डंस (ईएमएस)। रुस के टेनिस स्टार दानिल मेदवेदेव मियामी ओपन टेनिस के तीसरे दौर में पहुंच गये हैं। मेदवेदेव ने दूसरे दौर में ब्रिटेन के एंडी मर्रे को 6-4, 6-2 से हराया था। अब मेदवेदेव अगर यहां सेमीफाइनल में पहुंचते हैं तो वह विश्व में नंबर एक स्थान पर पहुंच जाएंगे। अभी नंबर एक स्थान पर सर्बियाई टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच हैं। वहीं एक अन्य मैच में गत चैम्पियन हुबर्ट हुरकाज ने आर्थर रिंडरनेक को 7-6, 6-2 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। दूसरी ओर महिला वर्ग में जापान की नाओमी ओसाका बिना खेले ही चौथे दौर में पहुंच गई। उन्हें कैरोलिना मुचोवा के मैच में नहीं उतरने के कारण वाकओवर मिला जबकि महिला वर्ग में ही बेलिंडा बेंचिच ने हीथर वाटसन को 6-4, 6-1 से हराया। आस्ट्रेलियाई ओपन उपविजेता डेनियेले कोलिंस ने वेरा ज्वोनारेवा को 6-1, 6-4 से पराजित किया।

आईपीएल में आज आमने-सामने होंगी सनराइजर्स और रॉयल्स

पुणे (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र में मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। इस मुकाबले में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। जहां राजस्थान की कमान विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के हाथों में है। वहीं सनराइजर्स की कप्तानी न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन के पास है। राजस्थान के कप्तान सैमसन ने कहा है कि इस बार उनके पास एक अच्छी टीम है जिसमें हर क्षेत्र में पर्याप्त विकल्प उपलब्ध हैं। इसलिए उनकी टीम 13 साल के खिताबी सूखे को समाप्त करेगी। इससे पहले टीम ने साल 2008 में यह खिताब जीता था पर उसके बाद टीम का किसी भी आईपीएल सत्र में अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा है। रॉयल्स की टीम में इस बार सैमसन के अलावा जोस बटलर, देवदत्त पडिक्कल, रविचंद्रन अश्विन, ट्रेंट बोल्ट और युजवेंद्र चहल जैसे अच्छे खिलाड़ी हैं

गुजरात ने दर्ज की रोमांचक जीत, लखनऊ को 5 विकेट से हराया

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन की दो नई टीमें लखनऊ सुपर जाइंट्स और गुजरात टाइटंस का आमना- सामना मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में हुआ। इस मैच में गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पांडया ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ ने दीपक हुडा और आयुष बदोनी की अर्धशतकीय पारी के दम पर 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 158 रन बनाए। गुजरात ने 19.4 ओवर में 5 विकेट गंवाकर जीत का लक्ष्य हासिल किया। आखिरी ओवर में टीम को 11 रन की जरूर थी मनोहर ने पहली दो गेंद पर दो चौके जमाए। इसके बाद स्ट्राइक बदला और तेवतिया ने चौका लगाते हुए टीम को जीत तक पहुंचाय दिया।

गुजरात को पहला झटका शुभमन गिल के तौर पर लगा जो चमीरा की गेंद पर बिना खाता खोले ही कैच आउट हो गए। विजय शंकर 4 रन बनाकर चमीरा की गेंद पर ही बोल्ड हो गए। कप्तान हार्दिक पांडया ने 28 गेंदों पर 33 रन की पारी खेली और भाई क्रुणाल पांडया की गेंद पर कैच आउट हो गए। हार्दिक का कैच मनीष पांडे ने लपका। मैथ्यू वेड 30 रन बनाकर दीपक हुडा की गेंद पर बोल्ड हो गए।

राहुल तेवतिया के साथ मिलकर डेविड मिलर ने मैच का रुख बदला लेकिन आवेश खान की गेंद पर बड़ा शाट लगाने की कोशिश में वह अपना विकेट गंवा बैठे। 21 गेंद पर 4 चौके और 2 छक्के की मदद से वह 30 रन बनाकर आउट हुए। आखिर में अभिनव मनोहर ने 7 गेंद पर 15 रन की नाबाद पारी खेल मैच को टीम की तरफ मोड़ दिया। तेवतिया ने 24 गेंद पर 5 चौके और 2 छक्के की मदद से नाबाद 40 रन की पारी खेली।

लखनऊ सुपर जाइंट्स की शुरुआत बेहद खराब रही और पहली पारी की पहली ही गेंद पर मो. शमी ने केएल राहुल को विकेट के पीछे कैच आउट करवा दिया। केएल राहुल अपना खाता भी नहीं खोल पाए और गोल्डन डक का शिकार बने। शमी ने राहुल के बाद खतरनाक बल्लेबाज डिकाक को भी 7 रन के स्कोर पर क्लीन बोल्ड कर दिया। लखनऊ का तीसरा विकेट इविन लुईस के तौर पर गिरा जिन्हें वरुण आरोन ने आउट किया। मनीष पांडे को मो. शमी ने 6 रन पर बोल्ड कर दिया। ये शमी का इस मैच में तीसरा विकेट था।

इंडियन प्रीमियर लीग के चौथे मुकाबले में गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच मुंबई के वानखेडे में मुकाबला हुआ। दीपक हुड्डा के अर्धशतक के दम पर लखनऊ ने 6 विकेट पर 156 रन बनाए। गुजरात ने 19.4 ओवर में 5 विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल किया। दीपक हुडा ने 41 गेंदों पर 55 रन की पारी खेलकर टीम को संभाला, लेकिन उन्हें राशिद खान ने पगबाधा आउट कर दिया। आयुष बदोनी ने भी 41 गेंदों पर 54 रन की पारी खेली, लेकिन उन्हें वरुण आरोन ने आउट किया। क्रुणाल पांडया 21 रन बनाकर नाबाद रहे। लखनऊ की तरफ से मो. शमी ने तीन, वरुण आरोन ने दो जबकि राशिद खान ने एक विकेट लिए।

भाजपा का जम्मू-कश्मीर में पूर्ण बहुमत की सरकार का लक्ष्य, 50प्लस का लिया संकल्प

श्रीनगर (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों को लेकर कमर कस ली है और वह मिशन 50 प्लस का लक्ष्य लेकर चल रही है। पार्टी का प्रयास है कि जब भी जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों का ऐलान हो वह जम्मू के साथ ही कश्मीर घाटी में भी अच्छा प्रदर्शन करे। इसीलिए पार्टी ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की ओर से श्रीनगर में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें संगठन को मजबूत करने, केंद्र सरकार की योजनाओं का प्रचार करने, उनका लाभ आम लोगों को दिलाने का प्रयास करने और भाजपा का सदस्यता अभियान तेजी से आगे बढ़ाने जैसे कदमों पर चर्चा की गयी। इस संगोष्ठी के दौरान पार्टी पदाधिकारियों ने अपने विचार रखे और कार्यकर्ताओं के विचार सुने।

आयोजन के दौरान पार्टी पदाधिकारियों से बातचीत की तो अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शेख बशीर, उपाध्यक्ष अशरफ रेशी, प्रदेश पार्टी प्रवक्ता अल्ताफ ठाकुर और पार्टी नेता सोफी युसूफ ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के संपूर्ण विकास के लिए यहां भाजपा की सरकार बनना जरूरी है इसीलिए हर कार्यकर्ता ने कमर कस ली है कि जब भी चुनाव होंगे हमें भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनवानी है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 231 अंक ऊपर आकर 57,593 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 69 अंक बढ़कर 17,222 के स्तर पर बंद हुआ। बाजार में यह तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में तेजी के कारण आई है।

सेंसेक्स के तीस शेयरों में से 20 शेयर लाभ में जबकि 10 नुकसान में रहे। सेंसेक्स के तीस शेयरों में भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी, भारतीय स्टेट बैंक, इंडसइंड बैंक, पावरग्रिड, बजाज फिनसर्व, हिंदुस्तान यूनिलीवर और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं जबकि दूसरी ओर इंडिया, एचडीएफसी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, डॉ. रेड्डीज, एशियन पेंट्स, विप्रो, लार्सन एंड टुब्रो, टेक महिंद्रा के शेयर गिरे हैं। वहीं बाजार जानकारों के अनुसार सकारात्मक वैश्विक रुख के साथ मानक सूचकांक शुरुआती गिरावट से उबरते हुए लाभ में बंद हुए।

शेयर बाजारों के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने शुक्रवार को 1,507.37 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। इससे भी बाजार पर दबाव बना रहा। इससे पहले आज सुबह कारोबार की शुरुआत में सेंसेक्स पांच अंक की हल्की तेजी के साथ 57,368 के स्तर पर खुला था, जबकि निफ्टी ने भी छह अंक की बढ़त के साथ 17,160 के स्तर पर कारोबार शुरू किया था।

रूस से दोगुना कोयला खरीदेगा भारत!

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने कहा है ?कि वह अपने देश के हित में पश्चिम की राजनीति से विचलित नहीं होने वाला है। जहां यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिका और पश्चिम रूस पर प्रतिबंध लगाते रहे हैं, वहीं भारत ने भारी छूट पर तेल खरीदने के बाद अब रूस से अपने कोयला ऑर्डर को दोगुना कर दिया है। भारत सरकार ने कहा है कि वह पश्चिम से प्रभावित हुए बिना पहले देश के हितों की देखभाल करेगी और जिस देश से उसे लाभ होगा, उसके साथ व्यापार करेगी। जानकारी के मुता?बिक केंद्र सरकार ने रूस से दोगुने कोयले की खरीद को भी मंजूरी दे दी है, जिसके बाद माना जा रहा है कि अमेरिका और पश्चिम भारत के प्रति और अधिक आक्रामक होंगे। भारत सरकार के मंत्री ने कहा ?कि भारत रूस से कोयला खरीद रहा है। केंद्रीय मंत्री रामचंद्र प्रसाद सिंह ने र?विवाद को कहा था ??कि भारत रूस से कोकिंग कोल के आयात की ओर बढ़ रहा है। वर्तमान में रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के कारण कई देश मास्को के व्यापार संबंधों को बढ़ाने से दूर भाग रहे हैं। लेकिन रूस से भारी छूट मिलने के बाद भारत सरकार ने रूस से कच्चा तेल खरीदने का फैसला किया और भारत ने रूस की सबसे बड़ी तेल कंपनी से भी ऑर्डर दिया है। गौरतलब है ?कि भारत और चीन भी भारी मात्रा में कोयले का उत्पादन करते हैं लेकिन भारत और चीन में उत्पादित कोयला अच्छी गुणवत्ता का नहीं है और रूसी कोयले में बहुत अधिक कार्बन होता है, जो इस्पात उद्योग के लिए बहुत अच्छा है। क्योंकि भारत में इस्पात उद्योग बहुत बड़ा है। इसलिए, रूसी कोयले की मांग अधिक बनी हुई है।

भारत-यूएई के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट 1 मई से हो सकता है लागू

दुबई (ईएमएस)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) इस वर्ष एक मई से लागू हो सकता है। इस समझौते के तहत कपड़ा, कृषि, सूखे मेवे, रत्न और आभूषण जैसे क्षेत्रों के 6,090 सामानों के घरेलू निर्यातकों को यूएई के बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच मिलेगी। भारत और यूएई ने व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर फरवरी में हस्ताक्षर किए थे। इसका उद्देश्य अगले पांच वर्षों में मौजूदा 60 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 100 अरब डॉलर करना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा ?कि इस समझौते के बारे में विस्तृत जानकारी जारी कर दी गई है और अब हम अपने सभी कागजी काम पूरे करने, सभी सीमा शुल्क अधिसूचनाओं को तेजी से जारी करने का प्रयास कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि इसे एक मई, 2022 तक शुरू किया जा सकता है। गोयल ने दुबई एक्सपो में कहा ?कि वर्तमान में हम यूएई को लगभग 26 अरब डॉलर के सामान का निर्यात कर रहे हैं। इसमें से लगभग 90 प्रतिशत वस्तुओं पर पहले ही दिन सीमा शुल्क समाप्त हो जाएगा। अगले पांच या दस साल में बाकी 9.5 फीसदी (करीब 1,270 सामान) वस्तुओं पर भी सीमा शुल्क शून्य हो जाएगा।

सोने और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। एमसीएक्स पर सोमवार को सोने और चांदी के दाम भी भारी गिरावट आई है। सोने की कीमत 0.30 फीसदी गिरकर 51,719 रुपए प्रति दस ग्राम पर आ गई है, वहीं चांदी के दाम में 0.58 फीसदी की गिरावट आई है। इसके बाद चांदी का भाव फिसलकर 68,435 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया है। दरअसल सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को दोनों कीमती धातुओं के दाम में जोरदार गिरावट आई है। गौरतलब है ?कि आभूषण बनाने के लिए ज्यादातर 22 कैरेट का ही इस्तेमाल होता है। कुछ लोग 18 कैरेट सोने का भी इस्तेमाल करते हैं। आभूषण पर कैरेट के हिसाब से हॉलमार्क बना होता है। 24 कैरेट सोने के आभूषण पर 999 लिखा होता है, जबकि 23 कैरेट पर 958, 22 कैरेट पर 916, 21 कैरेट पर 875 और 18 कैरेट पर 750 लिखा होता है। देश भर में सोने के आभूषणों की कीमत उत्पाद शुल्क, राज्य करों और मेकिंग चार्ज के कारण बदलती रहती है।

देशभर में बैंक हड़ताल, एटीएम में हो सकती है नगदी की दिक्कत!

मुंबई (ईएमएस)। बैंकों के कर्मचारी सोमवार 28 और मंगलवार 29 मार्च को दो दिनों की हड़ताल पर हैं। इससे पहले साप्ताहिक अवकाश के चलते लगातार दो दिन बैंक बंद रह चुके हैं। इस कारण हड़ताल के चलते आम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसके चलते बैंकिंग, रेलवे और बिजली समेत कई सेवाओं पर असर पड़ने की आशंका है। बैंकों के कर्मचारी निजीकरण के विरोध में इस हड़ताल में हिस्सा ले रहे हैं। इससे देश भर में बैंकिंग कामकाज पर काफी असर पड़ सकता है। इसके अलावा इस बात की भी आशंका है कि दो दिनों की हड़ताल के चलते एटीएम में भी नगदी की दिक्कत हो सकती है। देश का सबसे बड़ा बैंक एसबीआई खुद भी इस बात की आशंका व्यक्त कर चुका है। साप्ताहिक अवकाश के चलते बैंक पहले ही दो दिन बंद थे। इस हड़ताल से लोगों की दिक्कतें इस कारण भी बढ़ने वाली हैं। 26 मार्च को महीने का चौथा शनिवार था, जबकि 27 मार्च को रविवार था. इस कारण बैंक पहले ही लगातार 2 दिन बंद रह चुके हैं। इस तरह लगातार 4 दिनों के लिए देश में बैंकिंग कामकाज ठप रहने वाला है। जानकारी के मुता?बिक रोडवेज, ट्रांसपोर्ट और इलेक्ट्रिसिटी जैसे इसेंशियल सर्विसेज के कर्मचारियों ने भी भारत बंद में हिस्सा ले सकते हैं। बैंकिंग और इंश्योरेंस समेत फाइनेंशियल सेक्टर ने भी इसमें शामिल होने का निर्णय लिया है। इनके अलावा कोयला, इस्पात, तेल, दूरसंचार, डाक, इनकम टैक्स आदि क्षेत्रों के कर्मचारी भी भारत बंद का हिस्सा बन सकते हैं।

दिल्ली में नहीं तो पंजाब में आप ने शुरु की घर-घर राशन पहुंचाने की योजना

चंडीगढ़ (ईएमएस)। पंजाब में अपनी सरकार बनने के बाद आम आदमी पार्टी एक के बाद एक महत्वपूर्ण घोषणाएं कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री मान ने सोमवार को पंजाब में घर-घर राशन पहुंचाने के लिए डोर स्टेप डिलीवरी की घोषणा की। उन्होंने कहा कि रोजाना कमाने खाने वाले लोगों को अपने हक का राशन लेने के लिए दिहाड़ी छोड़नी पड़े,तब कितना दुख होता होगा। यह कितनी गलत बात है।

सीएम मान ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने पंजाब के लोगों के लिए राशन की डोर स्टेप डिलीवरी शुरू करने का फैसला किया है। हमारे अधिकारी आपको फोन कर पूछने वाले हैं, कि आप किस समय घर पर हैं। हमारे अधिकारी उस हिसाब से आपको आपके घर तक राशन पहुंचाएंगे। यह एक वैकल्पिक योजना है।

उन्होंने कहा कि साफ खाने लायक खाना आप लोगों के घर में पहुंचाया जाएगा। इसके लिए किसी को भी अपनी देहाड़ी नहीं छोड़नी पड़ेगी। यह एक वैकल्पिक योजना है, अगर आपके पास में राशन डिपो है,तब आप वहां पर जाकर राशन ले सकते हैं। इस योजना के तहत पंजाब के अधिकारी फोन करके राशन पहुंचाने का समय जानने और लोगों की सुविधा के हिसाब से घर-घर राशन पहुंचाएंगे।

इससे पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संजोयक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में इसी योजना को लागू करने की कोशिश की थी। हालांकि, केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच मतभेदों के कारण इस रोक दिया गया था।

मेक्सिको में बदमाशों ने दिन दहाड़े 19 लोगों को बंदूकों से भूना

मेक्सिको (ईएमएस)। अमेरिका के निकटवर्ती देश मेक्सिको में बदमाशों ने एक फेस्टिवल के आयोजन में ताबड़तोड़ फायरिंग कर 19 लोगों की जान ले ली। मरने वालों में 16 पुरुष और 3 महिलाएं हैं। घटना में कई लोग घायल भी हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

सेंट्रल मेक्सिको के अटॉर्नी जनरल के ऑफिस (एफजीई) के मुताबिक घटना रविवार रात करीब 10.30 बजे सेंट्रल मेक्सिको रीजन की है। फायरिंग मिचोआकन राज्य के लास तिनाजस इलाके में हुई है। यहां लोग किसी त्योहार के आयोजन में इकट्ठा हुए थे। मिचोआकन के सार्वजनिक सुरक्षा सचिव के मुताबिक हिंसा में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए जगह-जगह दबिश दी जा रही है।

बता दें कि मिचोआकेन और उसका पड़ोसी राज्य गुआनाजुआतो मेक्सिको के 2 सबसे हिंसक राज्य हैं। यहां नशीली दवाओं की तस्करी और चोरी के तेल (ईंधन) की बिक्री जैसे कई गैर कानूनी काम होते हैं। इसमें शामिल गिरोह के बीच अक्सर गैंगवार की घटनाएं सामने आती रहती हैं।

मैक्सिको का मिचोआकन राज्य दुनिया में एवोकैडो नाम के फ्रूट का सबसे ज्यादा उत्पादन करने के लिए भी प्रसिद्ध है। यह फ्रूट मेडिसनल यूज के कारण बेहद महंगा होता है। पिछले महीने ही मेक्सिको में काम कर रहे एक अमेरिकी ऑफिसर को धमकियां मिली थीं। जिसके बाद अमेरिका ने एक सप्ताह से ज्यादा समय के लिए इस फल का आयात रोक दिया था।

पिछले महीने ही राज्य में फायरिंग की एक घटना में 17 लोगों की मौत हो गई थी। राज्य ने इसे गैंगवार माना था। मिचोआकन के मंत्री रिकार्डो मेजिया ने बताया था कि फायरिंग की इस घटना को जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल के एक सेल ने दूसरे सेल के खिलाफ बदला लेने के लिए अंजाम दिया था।

तालिबानी फरमान, सरकारी कर्मचारी अपनी दाढ़ी न हटाएं और लंबा और ढीला कुर्ता व पजामे में आए

काबुल (ईएमएस)। अफगानिस्तान में बीते साल अगस्त में सत्ता में आए तालिबान एक के बाद एक फरमान जारी करता जा रहा है। इसी कड़ी में तालिबान ने सरकारी कर्मचारियों को निशाने पर लिया है। इस क्रम में तालिबान प्रशासन के सार्वजनिक नैतिकता मंत्रालय ने सोमवार को सभी सरकारी कार्यालयों का निरीक्षण किया। इसके तहत कार्यालय आने वाले सभी कर्मचारियों की बढ़ी दाढ़ी व ड्रेस कोड की भी जांच की गई।

सूत्रों ने बताया कि मंत्रालयों के प्रतिनिधियों ने सभी सरकारी कर्मचारियों के लिए निर्देश जारी किया है, कि वे अपनी दाढ़ी न हटाएं और न ही स्थानीय कपड़े जिसमें लंबा और ढीला कुर्ता व पजामे के साथ टोपी या इमामा पहनना अनिवार्य किया गया है। सूत्रों ने बताया कि वर्करों को यह कह दिया गया है कि ड्रेस कोड का पालन नहीं करने पर उन्हें कार्यालयों के परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी और उन्हें नौकरी से भी निकाला जा सकता है।

लड़कियों की शिक्षा को लेकर तालिबान शुरू से ही विरोध में रहा है। तालिबान ने अफगानिस्तान में एयरलाइनों से कह दिया है कि महिलाएं पुरुष संरक्षक के बिना घरेलू या अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में नहीं जा सकती हैं। और इस लेकर अफगानिस्तान के लिए अमेरिकी विशेष प्रतिनिधि ने भी उम्मीद जाहिर की है कि लड़कियों की शिक्षा पर तालिबान आने वाले दिनों में यू-टर्न लेगा। अमेरिकी अधिकारियों ने यह भी कहा था कि अफगानिस्तान के इस्लामिक शासकों ने सभी लड़कियों को हाई स्कूल की कक्षाओं में लौटने की अनुमति देने वाले फैसले को पलट दिया जिसके बाद बैठक रद की गई।

भारत सरकार को पुतिन की निंदा करनी चाहिए: रो खन्ना

वाशिंगटन (ईएमएस)। भारतीय मूल के प्रभावशाली भारतीय सांसद रो खन्ना ने कहा कि भारत को यूक्रेन पर हमले के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ''निंदा करनी चाहिए'' और नई दिल्ली को रूस या चीन से तेल नहीं लेना चाहिए।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में सिलिकॉन वैली का प्रतिनिधित्व करने वाले खन्ना ने कहा कि अब भारत के लिए अपना पक्ष चुनने का वक्त आ गया है। उन्होंने कहा, ''मैं भारत पर वास्तव में स्पष्ट रहा हूं और मुझे लगता है कि भारत को पुतिन की निंदा करनी चाहिए और भारत को रूस या चीन से तेल नहीं लेना चाहिए। हमें पुतिन को अलग-थलग करने के लिए दुनिया को एकजुट करना चाहिए।

अफगानिस्तान मुद्दे पर तीसरी क्षेत्रीय बैठक की मेजबानी करेगा चीन

बीजिंग (ईएमएस)। अफगानिस्तान के मुद्दे पर चीन ने तीसरी क्षेत्रीय बैठक की मेजबानी करने पर सहमति दी है। मार्च के आखिर में होने वाली बैठक में अफगान के पड़ोसी देशों के विदेश मंत्रियों के शामिल होने की संभावना है। जानकारी के मुताबिक चीनी विदेश मंत्री वांग यी की काबुल यात्रा के दौरान इस बैठक को लेकर चर्चा हुई थी। अफगान में वांग यी ने तालिबानी सरकार के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी से मुलाकात की थी।

चीनी विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों पक्षों के बीच अफगान मुद्दे पर तीसरी विदेश मंत्रियों की बैठक को लेकर चर्चा हुई। इस दौरान दोनों नेताओं ने मुद्दे को लेकर अपने विचारों का आदान-प्रदान किया है। बैठक के दौरान मुत्ताकी ने कहा कि वहां अफगान पड़ोसी देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होने के लिए उत्सुक हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक इस्लामिक अमीरात के उप प्रवक्ता बिलाल करीमी ने कहा कि यह स्वाभाविक है कि देश के महत्वपूर्ण मुद्दों समेत आर्थिक, राजनयिक संबंधों और अन्य मुद्दों को लेकर चर्चा की जाए। बताया जा रहा है कि चीन में होने जा रही तीसरी विदेश मंत्रियों की बैठक में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के शामिल होने की संभावना है।

कर्नाटक में अभी थमने का नाम नहीं ले रहा है हिजाब विवाद

-हिजाब पहन पेपर देने पहुंची छात्रा को परीक्षा सेंटर से लौटाया, छूटी परीक्षा

नई दिल्ली(ईएमएस)। कर्नाटक में हिजाब विवाद अभी थमने का नाम नहीं ले रहा है। राज्य में आज से 10वीं की बोर्ड परीक्षाएं शुरू हुई हैं। बोर्ड परीक्षा के बीच भी तनाव और बहस की स्थिति देखने को मिल रही है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद किसी भी स्टूडेंट को धार्मिक पहचान वाले कपड़े पहनकर स्कूल आने की अनुमति नहीं थी। ऐसे में हुबली के शांतिनिकेतन टेस्ट सेंटर पर एक छात्रा को हिजाब पहनकर आने के चलते परीक्षा नहीं देने दी गई और वापस घर भेज दिया गया।

परीक्षाओं से पहले ही सभी छात्रों को यूनिफॉर्म के निर्देशों की जानकारी दे दी गई थी, जिनका सख्ती से पालन करना अनिवार्य था। हुबली के शांतिनिकेतन टेस्ट सेंटर पर 10वीं की एक छात्रा हिजाब पहनकर परीक्षा देने पहुंची जिसे एग्जाम सेंटर पर एंट्री नही दी गई। छात्रा ने हिजाब उतारने से मना कर दिया और आखिरकार उसे बगैर परीक्षा दिए वापस घर लौटना पड़ा। 28 मार्च से राज्य में बोर्ड परीक्षाएं शुरू हुई हैं जिसमें लगभग 8.7 लाख स्टूडेंट्स शामिल हो रहे हैं। परीक्षा राज्य के 3,444 एग्जाम सेंटर्स पर आयोजित की जा रही है। परीक्षा में शामिल होने जा रहे छात्रों को यूनिफॉर्म समेत अन्य सभी निर्देश समय से जारी किए जा चुके हैं। परीक्षा में कोरोना दिशानिर्देशों का पालन अनिवार्य है। एग्जाम 11 अप्रैल को खत्म होंगे। हिजाब विवाद के बीच कर्नाटक में सोमवार से 10वीं बोर्ड की परीक्षाएं शुरू हुईं। परीक्षा कराने पहुंची एक शिक्षिका को हिजाब उतारने से इन्कार करने पर निलंबित कर दिया गया है। हिजाब पहनकर परीक्षा केंद्र में बैठने से मना करने पर कुछ छात्राओं ने परीक्षा छोड़ दी। इन छिटपुट घटनाओं को छोड़कर पहले दिन की बोर्ड परीक्षा बिना किसी बड़े विवाद के संपन्न हुई। कुल परीथार्थियों की संख्या आठ लाख से ज्यादा है। सोमवार से शुरू हुई बोर्ड परीक्षाएं 11 अप्रैल को खत्म होंगी।

सूत्रों ने बताया कि नूर फातिमा नामक शिक्षिका बेंगलुरु में केएसटीवी हाई स्कूल हिजाब पहनकर परीक्षा कराने पहुंची थीं। फातिमा की ड्यूटी कक्ष निरीक्षक की लगी थी। फातिमा को हिजाब उतारने से मना करने पर परीक्षा केंद्र से वापस भेज दिया गया। बाद में शिक्षा विभाग ने उन्हें निलंबित कर दिया। इसी तरह बगलकोट जिले के इलकल कस्बे में कुछ मुस्लिम छात्राओं ने हिजाब पहनने से रोकने पर परीक्षा देने से इन्कार कर दिया।

हुबली जिले में एक छात्रा बिना ड्रेस और हिजाब व बुरका पहनकर परीक्षा देने पहुंची थी। ड्रेस नहीं होने से उसे वापस जाने को कहा गया, लेकिन बाद में हिजाब व बुरका उतारने पर उसे परीक्षा में बैठने दिया गया। हालांकि, ज्यादातर मुस्लिम छात्राओं ने हिजाब की जगह परीक्षा को तरजीह। इन छात्राओं का कहना था कि परीक्षा केंद्र में हिजाब पहनकर बैठने से ज्यादा उनके लिए परीक्षा देना जरूरी है। कर्नाटक सरकार ने परीक्षार्थियों के लिए स्कूल ड्रेस को अनिवार्य बनाया है। राज्य के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र ने साफ कहा है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हर किसी को हाई कोर्ट के फैसले को मानना होगा। हिजाब पहनकर परीक्षा देने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादी गिरफ्तार

नई दिल्ली (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि शोपियां निवासी वसीम अहमद गनई और इकबाल अशरफ शेख को पुलिस और सेना ने सुन्नेरेगुंड इलाके में हिरासत में ले लिया।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि उनके पास से आपत्तिजनक सामग्री, एक चीनी पिस्तौल, दो पिस्तौल मैगजीन, पिस्तौल की 12 गोलियां और एके-47 की 32 गोलियों सहित भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। गौरतलब है कि इस महीने बडगाम जिले में आतंकवादी हमलों में दो नागरिकों सहित चार लोगों की मौत हो चुकी है।

पीएम इमरान खान को लगेगा दोहरा झटका!

पंजाब के मुख्यमंत्री की कुर्सी भी खतरे में

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान को दोहरा झटका लगता दिख रहा है। जहां विपक्ष सोमवार को संसद में उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने जा रहा है, वहीं देश के सबसे बड़े सूबे पंजाब सरकार पर भी संकट के बादल दिख रहे हैं। वहीं विपक्षी दलों ने पंजाब के सीएम का उस्मान बुजदार का इस्तीफा मांगा है। इतना ही नहीं उनके खिलाफ भी अविश्वास प्रस्ताव विपक्ष की ओर से पेश किया गया है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के सांसद समीउल्लाह खान ने कहा कि संयुक्त विपक्ष ने सोमवार को उस्मान बुजदार के खिलाफ भी अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है।

पंजाब पाकिस्तान का सबसे बड़ा सूबा है, केंद्र की सरकार बनाने के लिए पंजाब को अहम माना जाता है। पंजाब में पीएम इमरान की तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी की तीन सालों से सरकार है, लेकिन उसके पास बहुमत से सिर्फ 12 विधायक ही ज्यादा हैं। इसके बाद सरकार को लेकर संकट की स्थिति पैदा हो सकती है। विपक्ष के नेताओं का दावा है कि उन्हें इमरान खान की पार्टी पीटीआई के 20 अंसतुष्ट नेताओं का समर्थन है। इसके बाद अविश्वास प्रस्ताव में पंजाब में पीटीआई की सरकार गिर सकती है। इसकारण विपक्षी नेता इमरान सरकार के अलावा पंजाब पर भी फोकस कर रही है।

गौरतलब है कि सोमवार को पाकिस्तान की संसद में इमरान खान सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश होने वाला है। पाकिस्तान की संसद में कुल 342 सदस्य हैं, जिनमें से 172 सांसदों का समर्थन सत्ता में रहने के लिए जरूरी है। अविश्वास प्रस्ताव से पहले अपनी ताकत दिखाने के लिए इमरान खान ने इस्लामाबाद में एक बड़ी रैली की थी। इसमें इमरान ने कहा था कि इमरान खान आज तक किसी के आगे झुका नहीं है। मेरे शरीर में जब तक खून रहेगा, मैं किसी के आगे अपनी कौम को झुकने नहीं दूंगा। इमरान ने अपने से पहले पाकिस्तान में सत्ता संभालने वालों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हमारे देश की सत्ता संभालने वाले नालायक थे और इसी के चलते देश पीछे रह गया, जबकि हिन्दुस्तान आगे निकल गया।

एर्दोआन ने पुतिन के साथ टेलीफोन पर बातचीत की, संघर्षविराम का किया आह्वान

इस्तांबुल (ईएमएस)। तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ टेलीफोन पर बात कर यूक्रेन में संघर्षविराम की आवश्यकता पर जोर दिया।

इसकी जानकारी एर्दोआन के कार्यालय ने दी। बयान के अनुसार, एर्दोआन ने क्षेत्र में मानवीय स्थिति में सुधार का भी आह्वान किया। बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने इस पर सहमति व्यक्त की कि रूसी और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच अगली बैठक इस्तांबुल में होनी चाहिए।

हालांकि इसके लिए किसी समयसीमा का उल्लेख नहीं किया गया। इस बीच, रूस के साथ बातचीत कर रहे यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल के सदस्य ने कहा कि दोनों पक्षों ने सोमवार से आमने-सामने मुलाकात करने का फैसला किया है। हालांकि, रूसी मुख्य वार्ताकार ने कहा कि बातचीत मंगलवार से शुरू होगी। उन्होंने बताया कि बातचीत कहां होगी।

पाक सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी, अल्पसंख्यकों के प्रति कट्टरता कारण देश हो रहा बदनाम

इस्लामाबाद (ईएमएस)। देश में अल्पसंख्यकों के प्रति कट्टर व्यवहार को लेकर पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट ने चेतावनी जारी की है। कोर्ट का कहना है, कि इससे दुनिया में पाकिस्तान की गलत छवि प्रस्तुत हुई है। अल्पसंख्यकों के प्रति कट्टरता ने पाकिस्तानियों पर असहिष्णु, हठधर्मी व कठोर होने का लेबल चिपका दिया है। साथ ही शीर्ष अदालत ने लाहौर हाईकोर्ट के उस आदेश को पलट दिया, जिसमें अहमदिया समुदाय के लोगों को ईशनिंदा का आरोपित करार दिया गया था।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अहमदिया समुदाय के लोगों पर आरोप था कि उन्होंने अपने उपासना स्थल की डिजाइन की और उसकी भीतरी दीवारों पर इस्लामिक प्रतीकों का इस्तेमाल किया। रिपोर्ट में जस्टिस सैयद मंसूरी अली शाह के 9 पन्नों के फैसले का उल्लेख कर कहा, 'देश के गैर मुसलमानों (अल्पसंख्यकों) को उनके मतों से वंचित करना और उन्हें उनके उपासना स्थलों की चारदीवारी में कैद करना लोकतांत्रिक संविधान के खिलाफ और हमारे इस्लामिक गणराज्य की भावनाओं के प्रतिकूल है।'

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस शाह ने अहमदी समुदाय के लोगों की तरफ से दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान टिप्पणी की। इसमें आरोप लगाया कि अहमदी समुदाय के उपासना स्थल का बिजली बिल मस्जिद के नाम पर आता है। वर्ष 1984 में पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति जनरल मुहम्मद जिया-उल-हक के शासनकाल में पाकिस्तानी सरकार ने अहमदिया समुदाय के उपासना स्थलों को मस्जिद कहने और अजान देने को अपराध करार दिया था। इसके लिए तीन साल कैद व जुर्माने का प्रविधान किया गया था। इसी आधार पर आरोप लगाए गए थे और याचिकाकर्ताओं के खिलाफ मुकदमे की कार्यवाही शुरू की गई थी।

तानाशाह किम और भी शक्तिशाली मिसाइल का करेगा परीक्षण

अमेरिका पर बन रहा दबाव

सियोल (ईएमएस)। उत्तर कोरिया द्वारा चार साल से अधिक समय में पहली बार अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसा

आगामी विधानसभा चुनाव में बीटीपी और आप के बीच हो सकता है गठबंधन

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात विधानसभा के इस वर्ष होनेवाले चुनावों को लेकर राजनीतिक दलों ने अपनी बिसात बिछानी शुरू कर दी है दिल्ली के बाद पंजाब में सत्ता हासिल करने वाली आम आदमी पार्टी (आप) गुजरात में प्रदर्शन के लिए सक्रिय हो गई है ऐसे में भारतीय ट्रायबल पार्टी (बीटीपी) के राष्ट्रीय संयोजक व आदिवासी नेता महेश वसावा और आप के संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बीच मुलाकात के बाद गुजरात की राजनीति गरमा गई है बता दें कि 2020 में गुजरात के स्थानीय निकायों के चुनाव में बीटीपी ने असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के साथ गठबंधन किया था हालांकि गठबंधन कोई खास सफलता नहीं मिली अब गुजरात विधानसभा के आगामी चुनाव को लेकर बीटीपी और आप के बीच गठबंधन की संभावना है सोमवार को महेश वसावा और अरविंद केजरीवाल के बीच मुलाकात हुई है, जिसमें गुजरात विधानसभा के आगामी चुनावों को लेकर चर्चा होने की संभावना है पिछले काफी समय से बीटीपी नेता छोटु वसावा और महेश वसावा आप जॉइन कर सकते हैं या उसके साथ मिलकर आगामी विधानसभा चुनाव के मैदान में उतर सकते हैं छोटु वसावा और महेश वसावा कांग्रेस के भी संपर्क में होने की भी खबर है ऐसे में छोटु वसावा और महेश वसावा किसके साथ गठबंधन करते हैं, इस पर सबकी नजरें बनी हुई है हाल में आप के गुजरात प्रदेश प्रमुख गोपाल इटालिया ने छोटु वसावा उनके संपर्क में होने का संकेत दिया था इस बीच सोमवार को बीटीपी नेता महेश वसावा के दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात ने गुजरात की राजनीति गरमा दिया है गोपाल इटालिया ने महेश वसावा और अरविंद केजरीवाल के बीच हुई मुलाकात की तस्वीर फेसबुक पर शेयर कर लिखा कि 'आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ बीटीपी के राष्ट्रीय प्रमुख और आदिवासी समाज के दिग्गज नेता व विधायक महेश वसावा तथा उनकी टीम ने प्रत्यक्ष मुलाकात कर गुजरात के आदिवासियों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की इस मुलाकात के दौरान गुजरात प्रदेश के नेता ईशुदान गढवी और उपाध्यक्ष अर्जुन राठवा भी मौजूद रहे

राज्य के 7 महानगर और 2 नगर पालिकाओं में मध्याह्न भोजन योजना की शुरुआत आज से

अहमदाबाद (ईएमएस) राज्य के 7 महानगरों और 2 नगर पालिकाओं में कल से मध्याह्न भोजन योजना की शुरुआत होगी राज्य के शिक्षा मंत्री जीतु वाघाणी मंगलवार को गांधीनगर के निकट बोरीज गांव में मध्याह्न भोजन योजना की पुनः शुरुआत कराएंगे इसी के साथ राज्य के अहमदाबाद, राजकोट, भावनगर, जामनगर, वडोदरा, गांधीनगर और सूरत समेत 7 महानगरों और भुज व नवसारी नगर पालिकाओं में मध्याह्न भोजन योजना का प्रारंभ हो जाएगा जबकि 31 मार्च 2022 से राज्यभर में मध्याह्न भोजन मिलना शुरू हो जाएगा शिक्षा मंत्री जीतु वाघाणी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि 16 मार्च 2020 से मध्याह्न भोजन योजना बंद थी हालांकि अब तक इसके बदले विद्यार्थियों के खाते में सीधे रकम जमा कराई जाती थी इसके अंतर्गत अब तक विद्यार्थियों के खाते में रु. 1300 करोड़ जमा करवाए जा चुके है साथ ही विद्यार्थियों के लिए 2.60 लाख मेट्रिकन अनाज का वितरण भी किया गया है इस वर्ष भी मध्याह्न भोजन योजना के लिए बजट में रु. 1400 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है

गुजरात के 30 जिले और 5 महानगरों में कोरोन का एक भी सक्रिय मरीज नहीं

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना अपने अंतिम पडाव में पहुंच गया है राज्य के 30 जिले और 5 महानगरों में कोरोना का एक भी एक्टिव केस नहीं है, मतलब ये जिले और शहर कोरोना से मुक्त हो चुके है आज राज्य के 3 महानगरों और एक जिले में कोरोना के 8 नए मरीज सामने आए है जबकि 31 जिले और 5 महानगरों में कोरोना का एक भी केस सामने नहीं आया स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों में गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 3, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 3, अहमदाबाद कॉर्पोरेशन और दाहोद में 1-1 समेत राज्यभर में कोरोना के एक-एक मामला दर्ज हुआ जबकि अहमदाबाद, अमरेली, आणंद, अरवल्ली, बनासकांठा, भरुच, भावनगर, भावनगर कॉर्पोरेशन, बोटाद, छोटाउदेपुर, डांग, देवभूमि द्वारका, गांधीनगर, गिर सोमनाथ, जामनगर, जामनगर कॉर्पोरेशन, जूनागढ़, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन, खेडा, कच्छ, महीसागर, मेहसाणा, मोरबी, नर्मदा, नवसारी, पंचमहल, पाटन, पोरबंदर, राजकोट, राजकोट कॉर्पोरेशन, साबरकांठा, सूरत, सूरत कॉर्पोरेशन, सुरेन्द्रनगर, तापी, वडोदरा और वलसाड समेत 32 जिले और 5 महानगरों में कोरोना का एक भी केस आज दर्ज नहीं हुआ 32 जिलों में गांधीनगर और पंचमहल को छोड़ 30 जिले और 5 कॉर्पोरेशन में कोरोना का एक भी एक्टिव केस नहीं है वहीं आज 33 लोगों को ठीक होने का बाद डिस्चार्ज किया गया राज्य में कोरोना से स्वस्थ होने का दर 99.09 प्रतिशत पर पहुंच गया है इसी के साथ राज्य में अब तक कोरोना से 1212703 लोग स्वस्थ हो चुके है जबकि 10942 लोग कोरोना के खिलाफ जिंदगी जान हार गए फिलहाल राज्य में कोरोना के 234 एक्टिव केसों में 231 स्टेबल हैं और 3 मरीज वेन्टीलेटर पर है दूसरी ओर राज्य चल रहे टीकाकरण अभियान के तहत सोमवार को 64014 लोगों को वैक्सीनेट किया गया जिसमें 18 वर्ष से अधिक आयु के 2068 को पहला और 13560 लोगों को कोरोना का दूसरा डोज दिया गया 15 से 18 वर्षीय आयु के 1327 किशोरों को पहला और 3424 को कोरोना का दूसरा टीका लगाया गया 12 से 15 वर्षीय 33768 किशोरों को कोविड की पहली वैक्सीन लगाई गई जबकि 9867 नागरिकों को प्रीकॉशन डोज दिया गया राज्य में अब तक 10 करोड़ 59 लाख 11 हजार 423 नागरिकों का टीकाकरण हो चुका है

कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षा के दौरान विद्यार्थी को पड़ा दिल का दौरा, अस्पताल में मौत

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर समेत राज्यभर में आज से कक्षा 10 एवं 12वीं को बोर्ड परीक्षाएं शुरू हो गई है परीक्षा प्रारंभ होने के पहले ही दिन अहमदाबाद में एक दुःखद घटना सामने आई है जिसमें दिल का दौरा पड़ने से विद्यार्थी की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई घटना है पूर्वी अहमदाबाद के रखियाल क्षेत्र की सीएल पटेल हाईस्कूल की जहां कक्षा 12 के छात्र अमान आरीफ शेख परीक्षा देने आया था गोमतीपुर की एचजी पटेल हाईस्कूल का छात्र अमान आरीफ को परीक्षा शुरू होने के बाद 4.30 बजे उल्टी हो गई हांलाकि उसके बाद अमान परीक्षा का पेपर लिखने लगा लेकिन कुछ समय बाद उसके सीने में तेज दर्द होने लगा और वह पसीने से तरबतर हो गया अमान की स्थिति देख दोपहर 4.38 बजे स्कूल के आचार्य ने एम्ब्युलैंस 108 को घटना की जानकारी दी शाम 4.45 बजे एम्ब्युलैंस सीएल पटेल हाईस्कूल पहुंची जहां अमान की जांच करने पर उसका ब्लड प्रैशर का हाई था जिससे अमान को तुरंत सरसपुर स्थित शारदाबेन अस्पताल में भर्ती कराया गया अमान की गंभीर हालत देखते हुए उसे वेन्टीलेटर पर रखा गया था हांलाकि उसे बचाया नहीं जा सका और उपचार के दौरान ही अमान शेख ने दम तोड़ दिया

भूपेन्द्र पटेल का विश्वास

आप हो या दूसरी कोई भी पार्टी, चुनाव तो भाजपा ही जीतेगी

गांधीनगर, २८ मार्च।

चालू वर्ष के अंत में गुजरात विधानसभा का चुनाव आ रहा है तब राजनीतिक पार्टियां अपने काम और एजेंडा पर ज्यादा फोकस करने लगी है। ऐसे में गुजरात में फिर एक बार भाजपा सरकार बनाएगी यह विश्वास राज्य के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने व्यक्त किया है। एक तरफ कांग्रेस को लगातार नुकसान हो रहा है तो दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी की पंजाब में शानदार जीत हांसिल करने के बाद इसका वर्चस्व बढ़ रहा है। हालांकि, मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि आप हो या दूसरी कोई भी पार्टी जीत तो भाजपा ही होगी। उन्होंने गांधीनगर में आयोजित हुई कॉर्पोरेशन के चुनाव का उल्लेख करके आप का क्या हाल हुआ था इसकी भी याद दिलाई है। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली बाद पंजाब पर कब्जा करने के बाद अब गुजरात की आगामी चुनाव कांग्रेस और भाजपा के बीच नहीं लेकिन आप और भाजपा के बीच होगी ऐसी चर्चा शुरू हो गई है। लेकिन सीएम भूपेन्द्र पटेल कहते है कि पार्टी कोई भी हो जीत भाजपा की होगी। उन्होंने एक बातचीत में बताया है कि पार्टी कोई भी हो आप हो या दूसरा कोई चुनाव लड़ सकता है। यह हमारी जनतंत्र का एक हिस्सा है। जबकि बात भाजपा की आती है तब हम चुनाव के लिए काम नहीं करते है। गांधीनगर के कॉर्पोरेशन के चुनाव में आप मामले में बहुत कुछ कहा जाता था, लेकिन हमने करारी हार दी और भाजपा ने ४४ में से ४१ वार्ड पर कब्जा किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल चुनाव मामले में कुछ कहना जल्दी है, उन्होंने आप पोस्ट में होने का कहा था। उन्होंने आगे कहा कि, भारत में वाइब्रेंट जनतंत्र है और गुजरात में लोग विरोध पक्ष को सिर्फ कुछ ही सीटें देते हैं अब यह कांग्रेस को मिलता है भाजपा को यह देखना होगा। उन्होंने कहा कि, भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्रेरणा लेते है। हमने उनके काम को आगे ले जाते हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री व कांग्रेस नेता भरत सिंह सोलंकी पर पत्नी ने लगाया घरेलू हिंसा का आरोप

अहमदाबाद (ईएमएस)। पूर्व केंद्रीय मंत्री व गुजरात कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भरत सिंह सोलंकी उनकी पत्नी रेशमा पटेल ने घरेलू हिंसा का आरोप लगाया है। लेकिन रेशमा ने कहा कि वह भरत सिंह को तलाक नहीं देंगी। उन्होंने पति के खिलाफ बोरसद कोर्ट में याचिका भी दाखिल की है। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत माधव सिंह सोलंकी के पुत्र व पूर्व मंत्री सोलंकी व उनकी पत्नी रेशमा पटेल के बीच कुछ साल से विवाद चल रहा है। भरत पत्नी से तलाक लेना चाहते हैं, लेकिन रेशमा ने इससे साफ इंकार कर भरत सिंह पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया है। रेशमा ने कहा कि भरत सिंह अपने राजनीतिक रसूख व प्रभाव का इस्तेमाल करते हैं, और घर पर उनके साथ मारपीट भी की। उन्हें जान से मारने की धमकी देने के साथ धक्का-मुक्की कर घर से निकाल दिया था। परिवार की इज्जत की खातिर वे विदेश चली गईं, लेकिन अब जब वापस लौटीं, तब भरत सिंह ने फिर उसे घर से बाहर कर दिया। घरेलू हिंसा व पारिवारिक संपत्ति को लेकर रेशमा ने आणंद जिले के बोरसद में स्थानीय अदालत में एक याचिका भी दाखिल की है। भरत सिंह दो बार गुजरात कांग्रेस के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। गत दो विधानसभा चुनाव उनके अध्यक्ष रहते ही कांग्रेस हारी है। गत दिनों उन्होंने कांग्रेस विधायकों को डिनर पर बुलाकर आगामी विधानसभा की रणनीति पर चर्चा की थी। सोलंकी प्रदेश कांग्रेस के दिग्गज नेता होने के साथ राज्य कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद के प्रत्याशी के रूप में सबसे प्रबल दावेदार भी माने जाते हैं।

सर्वे के बाद नरेश पटेल करेंगे राजनीति में आने पर फैसला, अप्रैल मध्य में कर सकते हैं ऐलान

अहमदाबाद (ईएमएस) पाटीदार समाज के आस्था के केन्द्र खोडलधाम के प्रमुख नरेश पटेल ने राजनीति में शामिल होने के बारे में तारीख पे तारीख दिए जा रहे है पहले उन्होंने 20 मार्च से 30 मार्च के बीच राजनीति शामिल होने के बारे में फैसला करने की घोषणा की थी लेकिन अब उनका कहना है कि सर्वे के बाद ही इस पर कोई फैसला करेंगे बता दें कि गुजरात विधानसभा के इस साल के अंत में चुनाव होने हैं, जिसे लेकर भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) ने तैयारियां शुरू कर दी है तीनों राजनीतिक दल ने नरेश पटेल को अपने पाले में लाने का प्रयास कर रहे है हांलाकि अभी यह भी तय नहीं है कि नरेश पटेल किस पार्टी के साथ जाएंगे पिछले दो महीने से नरेश पटेल के राजनीति में आने को लेकर दावे और अटकलें लगाई जा रही है इस बीच आज खोडलधाम में ट्रस्टियों के बीच बैठक हुई और उसके बाद नरेश पटेल ने पत्रकार परिषद की पत्रकार परिषद से पहले बताया गया कि नरेश पटेल एक सप्ताह से बाहर थे और दोबारा यात्रा पर जा रहे है नरेश पटेल को राजनीति जॉइन करनी चाहिए या नहीं इस पर एक समिति सर्वे कर रही है यह सर्वे राज्य के प्रत्येक जिलों में किया जा रहा है समाज का एक बड़ा वर्ग खासकर युवा चाहते हैं कि नरेश पटेल राजनीति जॉइन करें, लेकिन खोडलधाम के प्रमुख पद से इस्तीफा ना दें इसके अलावा समिति समाज के अग्रणियों का अभिप्राय ले रही है पत्रकारों से बातचीत में नरेश पटेल ने कहा कि जहां खोडलधाम का नेटवर्क है उस जिले, तहसील और गांवों में सर्वे किया जा रहा है जिसके अप्रैल के मध्य में या तीसरे सप्ताह तक पूरा होने की संभावना है नरेश पटेल ने कहा कि सर्वे खत्म होने और उसकी रिपोर्ट आने के बाद ही राजनीति में आने पर कोई फैसला करूंगा पहले मैंने 20 से 30 मार्च के बीच का समय दिया था, लेकिन अब तक सर्वे पूरा नहीं हुआ है उन्होंने कहा कि संविधान के मुताबिक अगर में राजनीति में आता हूं तो खोडलधाम का प्रमुख पद छोड़ना पड़ेगा लेकिन समाज खासकर युवा सोशल मीडिया पर खोडलधाम का प्रमुख पद नहीं छोड़ने की अपील कर रहे है कल से मैं दोबारा यात्रा पर निकल रहा हूं और शनिवार तक वापस लौटूंगा मुझे अभी कुछ और समय चाहिए नरेश पटेल ने कहा कि उनकी परिवार चाहता है कि वह राजनीति में जाएं मेरे पुत्र शिवराज अगर राजनीति में जाना चाहते हैं तो उन पर कोई रोक नहीं है प्रशांत किशोर से मुलाकात पर नरेश पटेल ने कहा कि उनसे मिल चुका हूं लेकिन यह मुलाकात काफी समय पहले हुई थी और वह भी विभिन्न विषयों को लेकर प्रशांत किशोर से मिला था नरेश पटेल ने कहा कि प्रशांत किशोर के साथ उनका संपर्क काफी पुराना है

यूएस जाते ३७ गुजरातियों के पासपोर्ट के साथ तुर्की में एजेंट फरार

अहमदाबाद, २८ मार्च।

यूएस में गैरकानूनी रूप से घुसपैठ के साथ जुड़े हुए केस की जांच करती पुलिस को जानकारी मिली है कि मानव तस्करों के ग्रुप के एक व्यक्ति तुर्की में फंसे हुए ३७ गुजराती परिवारों के पासपोर्ट के साथ गायब हो गया है। यह वहीं परिवार है जो किसी भी कीमत पर अमेरिका पहुंचने के लिए निकले थे और मानव तस्करों ने उनको तुर्की के इस्तांबुल में बंधक बनाकर रखा था।

यह परिवार मैक्सिको जाने के लिए तुर्की गये थे जहां से वह यूएस बॉर्डर क्रॉस करने वाले थे। पुलिस के सूत्रों ने बताया है कि अली खान के तौर पर पहचान किए गए व्यक्ति इस्तंबुल में मानव तस्करी करते समूह के साथ काम करता था और इसने यह परिवारों के पास से पासपोर्ट छीन लिया था। जिसके आधार पर यह परिवारों से रुपया वसूलने के लिए दबाब करने के लिए यह दस्तावेज का उपयोग कर रहा है।

यह पुलिस ने बताया है। गुजरात पुलिस के एक अधिकारी ने बताया है कि, जबकि यह गुजराती परिवारों को इस्तांबुल में अलग-अलग किराये के अपार्टमेंट में ले जाया गया था, तब खान मानव तस्करी गैंग को लोजिस्टिकल सपोर्ट उपलब्ध कराता था। दस्तावेज गायब होने के बाद खान ने परिजनों से रुपया मांगना शुरू किया था। पुलिस के सूत्रों ने बताया है कि परिवार को तुर्की लाने वाले मानव तस्करी गैंग के लोगों को भी खान के ठिकाना मामले में खबर नहीं है। यह परिवारों को १० से २० जनवरी के बीच फ्लैट में रखा गया था। गुजराती परिवारों को दो गुजरात स्थित आंगडिया द्वारा दिया गया पैसे द्वारा फ्लैट में सभी प्रकार की वैभवी वस्तुएं मिलती थी। अन्य एक पुलिस अधिकारी ने आगे बताया है कि इसी वजह से तुर्की माफिया ने उनके पास से और रुपया वसूलना निश्चित किया। अधिकारी ने आगे बताया है कि, इस दौरान, खान चित्र में आया। उसने प्रत्येक परिवार से २००० टर्किश लीरा (करीब १०,००० रुपये) तक की मांग की।

ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करनेवाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ पुलिस का विशेष अभियान

अहमदाबाद (ईएमएस) अक्सर लोगों की शिकायत रहती है कि ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर पुलिसकर्मियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की जाती परंतु अब लोगों को ऐसी शिकायत नहीं होगी क्योंकि ट्रैफिक पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ खास अभियान चला रखा है एक सप्ताह तक पुलिस अहमदाबाद शहर के अलग अलग इलाकों में यह अभियान चलाएगी और ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करनेवाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करेगी दरअसल अहमदाबाद शहर में पुलिसकर्मी ही नियमों का पालन नहीं करते होने की शिकायतें मिली थी जिसके बाद अहमदाबाद पुलिस आयुक्त संजय श्रीवास्तव ने शहर के अलग अलग पुलिस थाना क्षेत्रों समेत सभी जोन में नियमों का उल्लंघन करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्यवाही करने का आदेश दिया था इसके अंतर्गत कोई भी पुलिसकर्मी अगर हेल्मेट नहीं पहनता या फिर वाहनों पर पुलिस, डी स्टाफ, सीबीआई, जय माता जी जैसे शब्द लिखे होंगे तो उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी पुलिस आयुक्त के आदेश के एक सप्ताह तक नियमों का उल्लंघन करनेवाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ खास अभियान चला जा रहा है जो भी पुलिसकर्मी नियमों का उल्लंघन करते हुए पकड़ा जाता है तो उसके खिलाफ चालान काट कानूनी कार्यवाही की जाएगी

1 अप्रैल 2022 की अहमदाबाद-दरभंगा अंत्योदय एक्सप्रेस परवर्तित मार्ग से चलेगी

अहमदाबाद (ईएमएस) पूर्वोत्तबर रेलवे के औंड़िहार-बलिया खंड के फेफना-चितबड़गांव-ताजपुर देहमा-करीमुद्दीनपुर स्टेशनों के दोहरीकरण के संबंध में नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण अहमदाबाद-दरभंगा अंत्योदय एक्सप्रेस परवर्तित मार्ग से चलेगी। जिसके मुताबिक 1 अप्रैल 2022 को अहमदाबाद से चलने वाली ट्रेन संख्या 15560 अहमदाबाद-दरभंगा अंत्योदय एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया औंड़िहार-मऊ-फेफना होकर चलेगी।

वनरक्षक परीक्षा का पेपर लीक के मामले में हल्लाबोल

गांधीनगर, २८ मार्च।

राज्य में विधानसभा का चुनाव निकट आ रहा है तब कांग्रेस विभिन्न मुद्दे के साथ भाजपा को घेरने का प्रयास कर रही है। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को कांग्रेस ने युवा स्वाभिमान सम्मेलन का आयोजन किया गया।

लेकिन प्रशासन द्वारा सम्मेलन को मंजूरी नहीं दिए जाने पर कार्यकर्ताओं ने उग्र विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कई कार्यकर्ता पुतला जलाने पर विधानसभा में प्रवेश किया था और भारी हंगामा किया। इस दौरान विवाद होने पर पुलिस ने कई नेता-कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। विधानसभा में वनरक्षक की परीक्षा का कथित रूप से पेपर लीक मामले में कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाया था। अब जीतू वाघाणी ने कहा कि, वनरक्षक का पेपर लीक हुआ हो तो कांग्रेस राज्य की जनता को सिर्फ गुमराह नहीं करें। आधार सबूत के साथ राज्य की जनता सामने आये। गुजरात कांग्रेस के नेता-कार्यकर्ताओं ने पेपर फोडुं ये सरकार नहीं चलेगी नहीं चलेगी। अब भाजपा सरकार इस्तीफा दे जैसे नारेबाजी करके हंगामा किया। कांग्रेस ने मीडिया को बताया कि, भाजपा की सरकार में बारबार पेपर लीक हुआ है और गत दिन ही वन विभाग की परीक्षा का पेपर लीक हुआ। यह होने पर भी सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। दूसरी तरफ कांग्रेस गुजरात की जनता रोजगार के लिए रैली निकालने के लिए प्रयास किया फिर भी मंजूरी नहीं दी गई। विधायक विधानसभा में प्रवेश कर रहे थे तब आधे घंटे तक जांच की गई, इसकी वजह से हम जान सकते है कि यह सरकार क्या करना चाहती है। कांग्रेस के विधायकों ने भाजपा सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि आप युवकों को रोजगारी देने का क्या संकेत है और सरकार से जानना है।

मंचुरियन देने से मना करने पर नाराज हुआ ग्राहक

फास्ट-फूड जॉइन्ट के मालिक, तीन कर्मचारी पर ग्राहक का हमला

अहमदाबाद, २८ मार्च।

फास्ट-फूड जॉइन्ट ने मंचुरियन के लिए ऑर्डर रिजेक्ट करने पर नाराज हुए एक ग्राहक ने मालिक और इसके तीन कर्मचारियों पर हमला किया था। यह घटना शनिवार को रात को खोखरा के एक्सप्रेस हाइवे के पास हुई थी। फास्ट-फूड जॉइन्ट के मालिक मोहन भरवाड ने (उम्र.४९) २८ वर्षीय रोहित राणा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी और बताया है कि, जबकि वह दुकान बंद करने जा रहे थे तब उसने ऑर्डर दिया था। खोखरा पुलिस के समक्ष दर्ज कराई गई शिकायत में, मोहन भरवाड ने कहा कि, वह दुकान बंद करने की तैयारी में था और कर्मचारी डीश साफ कर रहे थे, इस समय में रोहित राणा आया था और एक प्लेट मंचुरियन पैक करने के लिए कहा था। मोहन भरवाड ने इसे दुकान बंद हो जाने का और मंचुरियन नहीं होने का कहा था। यह बात से नाराज हुआ रोहित राणा ने मोहन के साथ दुर्व्यवहार करना शुरू किया था और उन पर तथा अन्य तीन लोगों पर हमला किया था।

रोहित राणा ने भी मोहन भरवाड और उनके कर्मचारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी और आरोप लगाया था कि जबकि वह बारबार पार्सल पैक करके देने को कहा तब उन्होंने इसे लकड़ी से पीटा था। अहमदाबाद के शाहपुर में रहते २९ वर्षीय एक युवक ने इसी क्षेत्र में चाइनीज फूड की लारी चलाते चार शख्सों के खिलाफ स्थानीय पुलिस स्टेशन शिकायत दर्ज कराई थी। तत्काल फ्राइड राइस तैयार करके देने का कहने पर उसने लोहे की पाइप से पीटे जाने का आरोप शिकायत में लगाया गया। फैजान शेख ने अपनी शिकायत में कहा कि, शुक्रवार को शाम को वह चाइनीज फूड की लारी पर गया था और अरबान शेख नाम के शख्स को फ्राइड राइस बना देने के लिए कहा था। अरबाज फैजान के ऑर्डर ध्यान दे रहे होने से उसने जल्दी करने के लिए कहा था। यह बात अरबाज को पसंद नहीं आई थी और उसने फैजान को शांति बनाये रखने के लिए कहा था। फैजान ने इसे वह लंबे समय से इंतजार कर रहे होने का और इसके दोस्त को फ्राइड राइस तुरंत चाहिए होने का कहा। यह बात सुनकर अरबाज और अन्य तीन ने फैजान को मारना शुरू कर दिया।

हंट्समैन की चाकण पीएचसी मेडिकल फैसिलिटी ने पुणे जिले में कोविड-19 के सबसे ज्यामदा टीके लगाये

लगभग 1.5 लाख रिकॉर्ड खुराक दिये

अलग-अलग तरह के रसायनों के वैश्विक विनिर्माता हंट्समैन द्वारा करंज विहिरे, चाकण के प्राइमरी हेल्थमकेयर सेंटर (पीएचसी) में स्थापित बहुउद्देश्यीचाय अत्याहधुनिक चिकित्साज सुविधा ने पुणे का सबसे बड़ा कोविड-19 टीकाकरण प्रदाता बनने की उपलब्धि अर्जित की है। उसने लगभग 1.5 लाख डोजेस लगाये हैं और यह आंकड़ा जिला स्वायस्थ्द विभाग का है।

3,500 वर्गफीट में फैली यह चिकित्सा सुविधा इस क्षेत्र के भीतर और आस-पास के 34 गांवों के लोगों को सेवा देती है। इसका इस्तेफमाल कोविड-19 टीकाकरण और पीएचसी की नियमित गतिविधियों जैसे गर्भवती महिलाओं के लिये प्रसवपूर्व जाँच, बाह्य-रोगी विभाग की नियमित सेवाएं, सभी प्रकारों के नैदानिक शिविर, छोटे बच्चोंल का टीकाकरण, कर्मचारियों की मीटिंग एवं प्रशिक्षण आदि के लिये सेंटर पर आने वाले लोगों के लिये हो रहा है।

हंट्समैन इंटरनेशनल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में भारतीय उपमहाद्वीप के प्रबंध निदेशक राहुल टिकू ने कहा, ''इस उपलब्धि पर हमें बहुत गर्व है और इस सफलता का श्रेय हम पीएचसी की परिश्रमी टीम को देते हैं। हम चाकण के पूरे समुदाय का स्वापस्थ्त और संपूर्ण जीवन बेहतर बनाने के एकमात्र लक्ष्यल से उन्हेंक ज्योदा से ज्यापदा सेवा देना चाहते हैं। समुदायों के लिये हमारे योगदान और स्वा स्थ्कम रक्षा कर्मियों, एनजीओ तथा सरकारों के प्रयासों से कोविड-19 के खिलाफ भारत की लड़ाई को अच्छीस गति मिलेगी।''

मनीष मल्होत्रा फिट और हेल्दी रहने के लिए इवोकस ब्लैक एल्कलाइन पानी पीते हैं

पैपराज़ी (मीडिया) ने मशहूर डिजाइनर मनीष मल्होत्रा को हाल ही में अपने मुंबई स्टोर के बाहर हेल्दी ब्लैक एल्कलाइन वॉटर के साथ देखा था, जिसके हेल्थ बेनिफिट्स (स्वास्थ्य लाभ) के बारे में इन दिनों काफी बातें हो रही है। अपने स्टाइलिश अंदाज़ में, उन्होंने कैमरों के लिए पोज़ दिया और दिल्ली में लैक्मे फैशन वीक में शोकेस होने वाले अपने नए कलेक्शन के बारे में बात की। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि उन्हें 'इवोकस ब्लैक एल्कलाइन वाटर' बहुत पसंद है और यह उन्हें हेल्दी और फिट रहने में काफी मदद करता है। जब एक पैप (पत्रकार) ने सवाल किया, 'सर आप भी ब्लैक वॉटर पीते हैं?' तब उन्होंने तुरंत जवाब दिया कि ठयह हेल्दी है और उम्र बढ़ने के साथ ही अपना ज्यादा ख्याल रखना जरूरी हैं।

खैर, यह पहली बार नहीं है जब हमने अपने सेलिब्रिटीज को ब्लैक एल्कलाइन वॉटर पीते देखा है।

कई अन्य सेलिब्रिटीज को भी ब्लैक एल्कलाइन वॉटर के लिए वाउचिंग करते हुए देखा गया है, जिसमें 8 से ज्यादा पीएच लेवल और 70 से अधिक खनिज पाए जाते हैं, जो कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं।

1 अप्रैल से अहमदाबाद मंडल की कुछ ट्रेनों के परिचालन समय में बदलाव

- स्वर्ण जयंती राजधानी एवं आश्रम एक्सप्रेस की बढ़ाई गति

अहमदाबाद (ईएमएस) रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए अहमदाबाद- नई दिल्ली स्वर्ण जयंती राजधानी एक्सप्रेस एवं अहमदाबाद दिल्ली आश्रम एक्सप्रेस ट्रेनों की 01 अप्रैल 2022 से गति बढ़ाई जा रही है। जिससे इन ट्रेनों के परिचालन समय में लगभग 45 मिनट की बचत होगी। जिससे अहमदाबाद मंडल से चलने/होकर गुजरने वाली कुछ ट्रेनों के परिचालन समय में बदलाव किया जा रहा है। इन ट्रेनों का अहमदाबाद मण्डल पर परिचालन का समय निम्नानुसार है:-

1. ट्रेन संख्या 12957 अहमदाबाद -नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस दिनांक 1 अप्रैल 2022 से अहमदाबाद से 18:30 बजे चलकर, 18:45 बजे साबरमती, 19:35 बजे मेहसाणा, 20:38 बजे पालनपुर पहुंचकर दिल्ली के लिए प्रस्थान करेगी। पूर्व में यह ट्रेन अहमदाबाद स्टेशन से 17.45 बजे रवाना होती थी।

2. ट्रेन संख्या 12958 नई दिल्ली अहमदाबाद राजधानी एक्सप्रेस दिनांक 1 अप्रैल 2022 से 06:18 बजे पालनपुर, 07:08 बजे महेसाणा, 08:06 बजे साबरमती तथा 08:45 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी।

3. ट्रेन संख्या 12915 अहमदाबाद-दिल्ली आश्रम एक्सप्रेस दिनांक 1 अप्रैल 2022 से अहमदाबाद रेलवे स्टेशन से 19:15 बजे चलकर, 19:30 बजे साबरमती, 20:21 बजे मेहसाणा, 20:42 बजे ऊंझा, 21:35 बजे पालनपुर पहुंचकर दिल्ली के लिए प्रस्थान करेगी। पूर्व में यह ट्रेन अहमदाबाद स्टेशन से 18:30 बजे रवाना होती थी।

4. ट्रेन संख्या 12916 दिल्ली -अहमदाबाद आश्रम एक्सप्रेस दिनांक 1 अप्रैल से 03:30 बजे पालनपुर, 04:05 बजे ऊंझा, 04:25 बजे महेसाणा, 05:43 साबरमती तथा 06:20 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी।

5. ट्रेन संख्या 15270 अहमदाबाद-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस दिनांक 2 अप्रैल 2022 से अहमदाबाद से 17:35 बजे चलकर, 18:54 बजे महेसाणा, 20:58 बजे पालनपुर पहुंचकर मुजफ्फरपुर के लिए प्रस्थान करेगी।

6. ट्रेन संख्या 19565 ओखा-देहरादून एक्सप्रेस दिनांक 1 अप्रैल 2022 से 19:06 बजे मेहसाणा, 19:28 बजे उंझा, 19:44 बजे सिद्धपुर तथा 20:58 बजे पालनपुर पहुंचकर देहरादून के लिए प्रस्थान करेगी।

7. ट्रेन संख्या 20913 राजकोट-दिल्ली सराय रोहिला एक्सप्रेस दिनांक 7 अप्रैल 2022 से 19:06 बजे महेसाणा तथा 20:58 बजे पालनपुर पहुंचकर दिल्ली सराय रोहिल्ला के लिए प्रस्थान करेगी।

8. ट्रेन संख्या 22451 बांद्रा टर्मिनस-दिल्ली सराय रोहिला एक्सप्रेस दिनांक 4 अप्रैल 2022 से 18:40 बजे अहमदाबाद, 20:47 बजे महेसाणा तथा 22:18 बजे पालनपुर पहुंचकर दिल्ली सराय रोहिल्ला के लिए प्रस्थान करेगी।

9. ट्रेन संख्या 12216 बांद्रा टर्मिनस- दिल्ली सराय रोहिल्ला गरीबरथ एक्सप्रेस दिनांक 1 अप्रैल 2022 से 18:40 बजे अहमदाबाद, 19:35 बजे गांधीनगर तथा 22:18 बजे पालनपुर पहुंचकर दिल्ली सराय रोहिल्ला के लिए प्रस्थान करेगी।

10. ट्रेन संख्या 22915 बांद्रा टर्मिनस - हिसार एक्सप्रेस दिनांक 4 अप्रैल 2022 से 21:06 बजे महेसाणा तथा 22:50 बजे पालनपुर पहुंचकर हिसार के लिए प्रस्थान करेगी।

11. ट्रेन संख्या 12480 बांद्रा टर्मिनस-जोधपुर एक्सप्रेस 21:55 बजे मेहसाणा पहुंचकर 21:57 बजे जोधपुर के लिए प्रस्थान करेगी।

12. ट्रेन संख्या 14